



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

16/86

भाग II—खण्ड 3—खण्ड-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 137]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 5, 1982/चैत्र 15, 1904

No. 137] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 5, 1982/CHAITRA 15, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे इक यह भलग संकलन के कद में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय  
आयात व्यापार नियंत्रण  
आदेश संख्या 1/82  
दुला सामान्य साइरेंस संख्या 1/82  
नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का० घा० 239(भ)।—आयात एवं नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़ कर, किसी भी देश से भारत में कच्चे माल और संघटकों को वास्तविक उपयोक्ता (शौद्योगिक) द्वारा नियन्त्रित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

(1) आयात की जाने वाली मदें आयात एवं नियंत्रण नीति 1982-83 के परिशिष्ट 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 और 15 के अन्तर्गत नहीं आती है।

- (2) इस लाइसेंस के अधीन उपकरण आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (3) कच्चे माल एवं संघटक वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अधीन हीं अर्थात् सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ताओं (शौद्योगिक) के खुद के उपयोग के लिए अपेक्षित हों।
- (4) वास्तविक उपयोक्ता इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मदों के उपभोग एवं उपयोग का निर्धारित प्रपत्र एवं विधिनुसार उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखे को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा विशिष्टकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।
- (5) माल की निकासी के समय, वास्तविक उपयोक्ता (शौद्योगिक) वास्तविक उपयोक्ता के रूप में सम्बद्ध प्राधिकरण के पास अपने शौद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण अर्थात् शौद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण की संख्या और तारीख और विनियोग के उपाय

(उत्पादों) के विवरण बते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए कि सीमा शुल्क प्राधिकारी को एक घोषणा पत्र भेजेगा कि (1) ऐसा लाइ-सेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या बाप्स नहीं लिया गया है उसे अन्यथा रूप से प्रभावित नहीं किया गया है और (2) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित मद उनके औद्योगिक लाइसेंस/सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारी के पास उनके औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकरण की नियम और मात्राएँ और उनके अनुमोदित चरणबद्ध विनियम प्रोग्राम के बिल्कुल अनुसार है। प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा आलग से लाइसेंस पंजीकरण संबंधी नहीं दी गई है, आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकरण की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/ औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत हैं और आयात करने के लिए पात्र हैं। माल की निकासी के समय, वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) यदि कोई हो, तो प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा उनके लिए अनुमोदित चरणबद्ध विनियम प्रोग्राम की एक प्रमाणित प्रति भी भेजेगा।

(6) जिन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकरणों के अस्थायी पंजीकरण हैं, वे भी इस लाइसेंस के अधीन कच्चे माल और संघटक आयात करने के लिए पात्र होंगे।

(7) जिन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ऐसा पंजीकरण प्रमाण-पत्र है जिसे विशेष रूप से “प्रस्तावित” चिह्नित किया गया है तो वे भी कच्चे माल, संघटकों और उपभोज्यों का आयात करने के लिए इस लाइसेंस के अधीन पात्र हैं, परन्तु उनके भाग्य में वास्तविक उपयोक्ता की ओर से राज्य औद्योगिक विकास निगम या राज्य वित्त निगम को आयात की अनुमति केवल तब होगी जब निकासी के समय यह साक्ष्य प्रस्तुत किया जाए कि सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ता ने आयातित माल के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर मूल्य के लिए बैंक गारन्टी के साथ इस सम्बन्ध में एक बान्ड भेजा है कि वास्तविक उपयोक्ता उत्पादन करने वाले यूनिट के समर्थन में प्रायोजक प्राधिकारी से एक प्रमाण-पत्र सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

(8) बड़े पैमाना धोन के सभी औद्योगिक एकक इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मदों के ब्यौरे और मूल्य को दर्शाते हुए मद के लिए यथा उपयुक्त एक आवधिक विवरण, महानिदेशक, तकनीकी

विकास, नई दिल्ली या अन्य सम्बद्ध प्राधिकारियों और इलैक्ट्रॉनिक विज्ञान को भेजेंगे। लघु पैमाना क्षेत्र के औद्योगिक एककों को उसी प्रकार के विवरण सम्बद्ध क्षेत्रीय आयात लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजने चाहिए। ये विवरणी 30 सितम्बर, 1982 और 31 मार्च, 1983 के अनुसार भेजे जाएंगे। ऐसा प्रत्येक विवरण दर्शाई गई अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

(9) ये लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन भी होंगे।

(10) मानव नियमित रेशों, मोटे सन और तागों के सम्बन्ध में पात्र आयातकों को अपनी संविदाएं वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवानी चाहिए। आयात तभी किए जाएंगे जब संबंधित संविदाओं पर वस्त्र आयुक्त, बम्बई द्वारा ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में मोहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए संविदा की दो प्रतियां वस्त्र आयुक्त के पास रखी जाएंगी और वह पार्टी को एक प्रति बाप्स कर देगा जिसके प्रत्येक पूँछ पर विधिवत मोहर लगी होगी।

(11) जैसा कि ऊपर 10 में दिया गया है, वस्त्र आयुक्त बम्बई के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्त के अधीन पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं के विवरण के लिए मानव नियमित रेशे, मोटा सन और तागे भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य रसायन एवं भेषज निगम (सी० पी० सी०) द्वारा आयात किए जा सकते हैं।

(12) डी० ए० ए०/टी० पी० ए० के आयात के मामले में आयात की स्वीकृति केवल पैट्रोलियम, रसायन एवं उर्वरक मन्त्रालय (पैट्रोलियम विभाग) के पास पंजीकृत संविदाओं के आधार पर दी जाएगी। आयात पैट्रोलियम विभाग, नई दिल्ली द्वारा सम्बद्ध संविदाओं पर पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में मोहर लगाने के बाद ही किए जाएंगे। इस प्रयोजन के लिए संविदाओं की दो प्रतियां पैट्रोलियम विभाग के पास जमा करनी चाहिए और वे प्रत्येक पूँछ पर विधिवत मोहर लगाने के बाद संविदा की एक प्रति पार्टी को लौटा देंगे।

(13) (1) ऊनी चिथड़ों/रही ऊन/संश्लिष्ट चिथड़ों के मामले में आयातित माल की निकासी सीमा-शुल्क निकासी माल के पूर्ण विकृत होने के बाद ही दी जाएगी।

(2) इस प्रयोजन के लिए ऊनी चिथड़ों की परिभाषा इस प्रकार दी गई है:—

(क) “नए” ऊनी कपड़े के अवशेष चाहे वह बुने हुए या कवाई किए हुए कपड़े के हों और जो वस्त्रों की कटाई

करने के बाद बच जाते हों इनमें बर्जी द्वारा काट दिए गए वास्तविक टुकड़े, त्याग दिए गए नमूने और सैम्प्ल के टुकड़े भी शामिल हैं।

(ख) “पुराने”—उनीं कपड़े के बैंचियड़े (कटाई किए हुए और कटे से बुने हुए कपड़ों सहित) जो रही याने के विनिर्माण के लिए आवश्यक हों और उनमें सजावटी मद्दें या फटे हुए कपड़े, मैले कपड़े या ऐसे कपड़े जो इस प्रकार से कट गए हैं जिनकी धूलाई या भरम्भत नहीं की जा सकती हो, शामिल हैं।

(3) यह परिभाषा संश्लिष्ट चिथ्थड़ों के लिए आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

(14) कच्चे काजू की गिरी के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस सम्बन्ध में नीति के अनुसार वास्तविक उपयोक्ता (संसाधन एककों को वितरण करने के लिए इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात करने के लिए भी पात्र होगा।

(15) कच्चे काजू की गिरी के मामले में, यह गर्त होगी कि आयात के लिए संविदा पक्की होने के तुरन्त बाद आयात की जाने वाली आधी मात्रा वास्तविक उपयोक्ता (संसाधन एककों) को वितरण के लिए भारतीय काजू निगम को ऐसे तरीके में सौंपी जाएगी जो समय-समय- पर सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएं। आयात संविदा भी उसके निष्पादन के 7 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय काजू निगम के पास आयातक द्वारा पंजीकृत कराई जाएगी।

(16) इस लाइसेंस में आयात के लिए अनुमित रिरोलेबल स्कैप सहित कार्बन इस्पात की मद्दों के मामले में, पात्र आयातकों को ऐसी संविदा करने की तारीख से 15 दिनों के भीतर लोहा एवं इस्पात नियंत्रक कलकत्ता या उसके किसी क्षेत्रीय कार्यालय के पास अपनी आयात संविदाओं का पंजीकरण कराना पड़ेगा। आयात केवल लोहा एवं इस्पात नियंत्रक के पंजीकरण के कार्यालय द्वारा मोहर लगाई हुई सम्बन्धित संविदाओं को ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करने के बाद किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए संविदा की दो प्रतियां लोहा एवं इस्पात नियंत्रक के पंजीकरण के कार्यालय के पास भेजी जाएगी और वह उसकी एक प्रति प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत स्टाम्प लगाकर पार्टी को लौटा देगा।

(17) महामारी नाशक और वास-पात नाशी सहित कीटनाशक के मामलों में सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) प्रत्येक माल के परेषण की निकासी के सात दिनों के भीतर आयातित मद, उसकी मात्रा और उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के ब्यौरे कृपि विभाग (बनस्पति संरक्षण विभाग) नई दिल्ली को सूचित करेगा।

(18) इस लाइसेंस की अनुसूची में प्रदर्शित मदों से भिन्न मदों के मामले में, वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) और अन्य द्वारा इस लाइसेंस के अन्तर्गत बिक्री और स्टाक के लिए आयात किया जा सकता है।

(19) इस लाइसेंस के अधीन आयात द्वारा सम्बद्ध ओद्योगिक एकक का उत्पादन स्वीकृत प्राथिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा और सम्बद्ध एकक अपनी अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेंगे।

(20) इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल वक्षिण अफीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफीका में तैयार अथवा विनिर्मित नहीं किया गया हो।

(21) इस प्रकार के माल के पोतलदान किसी भी रियायती अवधि चाहे जो कुछ भी हो, के बिना 28-2-1983 को या इससे पूर्व खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्रों के मद्दे 31 मार्च, 1983 को या वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) के मामले में 30 जून 1983 को या इससे पूर्व भारत के लिए परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हों।

(22) किसी भी माल के आवेदन पत्र पर उनके आयात पर कोई भी निषेध या विनियम जो उस माल का आयात करने समय लागू थे, प्रभावित करते हैं तो उनका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(23) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी आवश्यकता को अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या छील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू सभी अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिसिल सं०-आई० पी० सी०/3/2/82]

खुले सामान्य लाइसेंस सं० 1/82 की अनुसूची

दिनांक : 5 अप्रैल, 1982

- मानव-निर्मित फाइबर/याने
- ओ० एम० टी०/टी० पी० ०५०

3. मरकरी/मरकरी एमोनियेटि

4. पी० बी० सी० रेजिस्ट्र

5. रॉ बूल/गै-हेयर

6. बूलन रेग्स/मिन्येटिक रेग्स/शोडी बूल

7. रेयन ग्रेड बुड पल्प

8. नेप्थालीन कूड

9. पोटाशियम साईनाइड

10. पोटाशियम क्लोरेट

11. पोटाशियम फेरो-साईनाइड

12. स्टाईरीन मोनोमर

13. पी०टी० एफ० ई० फैब्रिक/फैल्ट/धागे

14. विटामिन बी ६

15. एक्सिलिक मोलिंग पाउडर

16. केपेसीटर टिशु पेपर

17. कंडनसर टिशु पेपर

18. क्राफ्ट/टिशु पेपर

19. इथाइल ग्लाइकोल

20. यूकिलीपट्स गम चिप्स

21. लिथो-पोन

22. पोलि-स्टाईरिन फिल्म

23. साल्वेट्स

24. क्राईस्टेक्स/इनसालेबल सलफर सहित 20% ग्रॉयल ट्रीटिड सलफर

25. 99.99% शुद्धता के एल्यूमीनियम बायर/स्ट्रिप्स

26. एल्यूमीनियम प्रो-फाइल्स

27. एल्यूमीनियम ग्रॉक्साइड

28. एल्यूमीनियम ग्लाइसीनेट

29. नायलन वेस्ट (महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली द्वारा यथा प्रभागित केपरोलैक्टम की वसूली में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक)

30. पेपर वेस्ट (पल्प/पेपर और पेपर बोर्ड के उत्पादन में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक)

31. कार्क-बुड़, कार्क वेस्ट और कार्क डस्ट और 200 मेश के कार्क पाउडर

32. हाई स्पीड स्टील

33. हाई ग्रेड मोलिबेडम अयस्क, स्क्रेप मोलिबेडम ग्रॉक्साइड, मोलिबेडम पाउडर सहित मोलिबेडम धातु मोलिबिडिक ग्रॉक्साइड

34. पिच

35. फासफोरिक एसिड (श्रौद्धोगिक श्रेणी को छोड़कर)

36. टारटेरिक एसिड

37. नेचुरल एसनशियल ग्रॉयल्स

38. पी० य० लैवर क्लॉथ

39. ग्रायोडीन

40. जिरेनियम ग्रॉयल

41. खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत आने वाले (इलैक्ट्रॉनिक संघटकों को छोड़कर) मशीनी श्रौजार, मशीनरी, उपकरण और यंत्र तथा अन्य इंजीनियरी उत्पाद (कन्जूमर ड्यूरेबल सहित) के सभी संघटक

42. टेप डैक मैकेनिजिम के लिए प्रैसड/पंचड मैटल पार्ट्स

43. 12 बोल्ट और 20 बाट तक की रेटिंग वाली डी सी माइको भोटर्स/स्टेपर भोटर्स/सर्वी मोटर्स/ए० सी० साइन-कोरबस मोटर्स के संघटक

44. रिले कनेक्टर्स और स्विच्स के संघटक

45. सभी प्रकार के माइक्रो-वेव संघटक

46. ग्राइवरी ग्रानमैन्युफैक्चर्ड

47. नाईट्रिक एसिड

48. शेलांक सीड लाख

49. पोलि-प्रो-पाइलोन फिल्म

50. ब्लीचिंग पाउडर और हाइपो-क्लोराइट्स

51. ब्लैक सेंटर्ड बोर्ड

52. खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत आने वाले डग/डग इंटरमीडिएट

53. टंगस्टन डिस्क/टंगस्टन कनटेक्ट्स

54. कास्टिक सोडा

55. सोडा-ऐश

56. (1) कास्ट आयरन स्क्रैप  
(2) राट आयरन स्क्रैप  
(3) कार्बन स्टील की सभी श्रेणियों का रिं-रोलेबल स्क्रैप  
(4) "ठिन-फी" इस्पात के रूप में बाजार में बेची जाने वाली कोटिड स्टील शीट/स्ट्रिप्स/ग्रॉयल्स का स्क्रैप

57. टी बैग्स हीट सील/नॉन हीट सील टाइप के लिए फिल्टर पेपर [टी बैग्स के उत्पादन में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक)]

58. प्रयुक्ति/स्क्रैप रबड़ टायर/ट्यूब रबड़ रिक्लेमिंग में (प्रत्येक टायर/ट्यूब नियर्तक देन से पोत-न्दान करने से पूर्व या सीमा-शुल्क निकासी से पूर्व कभी से कम एक कट के अधीन है।

59. रबड़ ब्लैकेट्स

60. ग्लास स्क्रीन और कटेक्ट स्क्रीन्स (ग्रे और मैग्नेटा/फिलर फिल्स)

61. लिथो-ग्राफिक कोटिड प्लेट्स

62. ब्लैक्स निर्माण में काम आने वाली कार्पर/एल्यूमीनियम/माइक्रो-मैटल शीट्स

63. क्वालिटी कंट्रोल फिल्मस स्ट्रिप्स और टारगेट्स

64(1) परफोरेटिंग सिलिंग क्रीजिंग इत्यादि के लिए लिथो-रल्स

64. (2) एंटी ब्रॉफ-सैट स्प्रै पाउडर

65. कच्चे काजू

66. कीटनाशी, महामारी नाशी और धास-पात नाशी

67. ऐश, स्कर्मिंग, ब्लोइंग्स और ड्रोज़ज सहित लैड स्क्रैप

68. फैरी-निकल

69. आई० एस०-२०६२ या इसके समतुल्य विशिष्टिकरण के कार्बन स्टील प्लेट्स

70. शीट्स/बायलर की कायल्स/प्रेशर वैसल क्वालिटी

71. चैक्ड प्लेट्स कायल्स

72. १२ मि० मी० या इससे कम चौड़ाई की कोल्ड रोल्ड स्ट्रिप्स

73. ४०० मि०मी० से अधिक के कार्बन स्टील रोल्ड ब्लूम्स

74. सभी श्रेणियों के ग्लाय और स्पेशल स्टील

75. डाइ-मिथाईल-पोलि-सिलोआक्सेन्स फ्ल्यूज (सिली-कोन आयल)

76. ग्लाइकोल ईथर

77. फासफोरस एसिड

78. टंगस्टन साल्ट्स

79. पाइरा-जिना-माइड

80. सोडियम मिथो-जाइड

81. क्लोरोइड साईन्यूरिक

82. इथाइलीन डाइ-ओमाइड

83. ऐसीटोन

84. ड्राइ-सोनिल फिनाइल फासफाइट

85. सोडियम लारेल इथाइल सल्फेट

86. पैरा क्लोरो बैंजोइक एसिड

87. नॉयलन भोनो फिलामेंट ब्रिस्टल्स

88. ४ : ४ बैंजीडाइन २ : २ डाइ-सल्फोनिक एसिड

89. पोलिकाबोनेट मोलिंग पाउडर/प्रैन्यूल्स

90. कैरी-टरशरी ब्युटाइल फिनोल

91. मेता-माइन

92. पोलि-काबोनेट (थर्मो-प्लास्टिक रॉ मैट्रिसिल)

93. डाइ-इंटरमीडिएट

94. थर्मीटर्स के लिए ग्लास केपलरी ट्र्यूबिंग

95. ट्रिसिंग पेपर

96. जी० एल०एस० लैम्स के लिए ग्लास शैल्स

97. पैरा-क्लोरो टाल्युइन

टिप्पणी : उपर्युक्त उल्लिखित मदों के केवल वे विशिष्टिकरण, माप, टाइप, किस्म, संघटन आदि, इस लाइसेंस के अंतर्गत वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक) द्वारा आयात किए जा सकते हैं, जो इस लाइसेंस की घर्ते सं० (१) के अंतर्गत आते हैं अर्थात् वे मदें जो आयात एवं निर्यात नीति १९८२-८३

(आ०-१) के परिशिष्ट ३ से ९ में और १५ में प्रवर्शित नहीं हैं और जो इस लाइसेंस की अन्य घर्तों के अनुरूप हैं।

MINISTRY OF COMMERCE  
IMPORT TRADE CONTROL  
ORDER NO. 1/82  
OPEN GENERAL LICENCE NO. 1/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 239(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial), subject to the following conditions :—

- (1) The items to be imported are not covered by Appendices 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 and 15 of the Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I);
- (2) Instruments shall not be allowed to be imported under this Licence;
- (3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the "Actual User" condition;
- (4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it;
- (5) Actual User (Industrial), at the time of clearance of the goods, shall furnish to the customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence/registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative and (ii) the items imported under this Licence are strictly in accordance with the terms and conditions of their industrial Licence/Registration with the sponsoring authority concerned as an industrial unit and; their approved phased manufacturing programme. In case, no phased manufacturing programme has been approved for them, they should say so in the declaration. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed registered as industrial unit and eligible to the import made. Actual User (Industrial) shall also furnish at the time of clearance of goods a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority;
- (6) Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence;
- (7) Actual Users (Industrial) having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "proposed" will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence, but in their case, the import will be allowed only to the State Industrial Development Corporation or State Financial Corporation on behalf of the Actual User, on production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a bank

guarantee for a value equal to 25 per cent of the c.i.f. value of the goods imported, to the effect that the Actual User shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having gone into production;

(8) All Industrial Units in large scale sector shall submit to the DGT(I), New Delhi or other sponsoring authorities concerned, and the Department of Electronics, New Delhi, as appropriate to the item, periodical returns, indicating the description and the value of the items imported under this Licence. Industrial Units in the small scale sector should send similar returns to the regional licensing authorities concerned. These returns shall be furnished as on 30th September, 1982 and 31st March, 1983. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated;

(9) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(10) In respect of man-made fibres, tow and yarns, every eligible importer shall be required to register his contracts with the Textile Commissioner, Bombay. Imports shall be made only after the connected contracts have been stamped by the Textile Commissioner, Bombay as evidence of such registration. (For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the Textile Commissioner and he will return one copy to the party duly stamped on each page);

(11) Import of man-made fibres, tow and yarns under this Licence can be made by the State Chemicals and Pharmaceuticals Corporation of India (CPC), New Delhi for distribution to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in (10) above;

(12) In the case of DMA/TPA, import will be allowed only on the basis of the import contracts registered with the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum). Imports shall be made only after the connected contracts have been stamped by the Department of Petroleum, New Delhi as evidence of such registration (For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the Department of Petroleum and they will return one copy to the party duly stamped on each page);

(13) (i) In the case of woollen rags/shoddy wool/synthetic rags, clearance of imported goods will be allowed by the Customs authorities only after the goods have been completely mutilated.  
(ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :—  
(a) 'New'—waste woollen cloth whether woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern-banches and sample bits.  
(b) 'Old'—Rags of woollen textile fabrics (including knitted and crocheted fabrics) which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles of furnishing or clothing or other clothing so worn out, spoiled or torn as to be beyond cleaning or repair.  
(iii) This definition shall apply mutis-mustandis to synthetic rags.

(14) In the case of raw cashew nut, Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to Actual Users (Processing Units), in accordance with the policy in force in this regard.

(15) In the case of raw cashew nuts, it shall be a condition that immediately after the contract for import is entered into, half of the quantity to be imported shall be offered to the Cashew Corporation of India for distribution to Actual Users (Processing Units) in such manner as may be laid down by Government from time to time. The import contract shall also be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution.

(16) In the case of carbon steel items, permitted for import in this Licence including rerollable scrap, the eligible importers shall be required to register their import contracts with the Iron & Steel Controller, Calcutta or with any of his regional offices, within 15 days from the date of entering into such contracts. Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by the registering office of the Iron and Steel Controller as evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the registering office of the Iron & Steel Controller and it will return one copy to the party, duly stamped on each page.

(17) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, intimate to the Department of Agriculture (Plant Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof;

(18) In respect of items other than those appearing in the Schedule to this Licence, import can be made under this Licence by Actual Users (Industrial) and others, for stock and sale;

(19) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the Licensed/authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme;

(20) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;

(21) Such goods are shipped on through consignment to Indian on or before 31st March, 1983 or, in the case of Actual User (Industrial), on or before 30th June, 1983 against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened on or before 28-2-1983, without any grace period what-so-ever;

(22) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted;

(23) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/82]

## SCHEDULE TO OGL NO. 1/82

Dated, the 5th April, 1982

1. Man-made fibres|yarns.
2. D.M.T.|T.P.A.
3. Mercury|mercury ammoniated.
4. P.V.C. Resins.
5. Raw Wool|Mohair.
6. Woollen rags|Synthetic rags|Shoddy wool.
7. Rayon grade wood pulp.
8. Naphthalene crude.
9. Potassium cyanide.
10. Potassium chlorate.
11. Potassium ferrocyanide.

12. Styrene monomer.

13. PTFE Fabric/felt/threads.

14. Vitamin B6.

15. Acrylic moulding powder.

16. Capacitor tissue paper.

17. Condensor tissue paper.

18. Kraft/Tissue paper.

19. Ethyl glycol.

20. Eucalyptus gom chips.

21. Lithopone.

22. Polystyrene film.

23. Solvents.

24. 20 per cent oil treated sulphur, including crytex/in-soluble sulphur.

25. Aluminium wire/strips of purity 99.99 per cent.

26. Aluminium profiles.

27. Aluminium Oxide.

28. Aluminium glycinate.

29. Nylon waste [Actual Users (Industrial) engaged in recovery of caprolactum as certified by DGTD, New Delhi].

30. Paper waste, [Actual User (Industrial) engaged in the manufacture of pulp/paper and paper board].

31. Corkwood, cork waste and cork dust, and cork powder of 200 mesh.

32. High speed steel.

33. High grade molybdenum ore, Molybdenum metal including scrap, Molybdc oxide, Molybdenum Oxide, Molybdenum Powder.

34. Pitch.

35. Phosphoric acid (other than industrial grade).

36. Tartaric Acid.

37. Natural essential oils

38. P U. Leather cloth.

39. Iodine.

40. Geranium oil.

41. All components of Machine tools, machinery, equipment and instruments and other engineering products (including consumer durables), covered under OGL (excluding electronic components).

42. Pressed/punched metal parts or Tape Deck mechanism.

43. Components of DC Micro motorstepper motors|servo motors|AC synchronous motors of ratings upto 12 volts and 20 watts.

44. Components of relays, connectors and switches.

45. Microwave components of all types.

46. Ivory unmanufactured.

47. Nitric acid.

48. Shellac/seed lac.

49. Polypropylene film.

50. Bleaching powder and hypo chlorites.

51. Black Centered Board.

52. Drugs/Drug intermediates covered under OGL.

53. Tungsten Disc/Tungsten contacts.

54. Caustic soda.

55. Soda Ash.

56. (i) Cast iron scrap.  
(ii) Wrought iron scrap.  
(iii) Re-rollable scrap of all grades of carbon steel.  
(iv) Scrap of coated steel sheets/strips/coils, marketed as "tin-free" steel.

57. Filter Paper for Tea Bags heat seal/non-heat seal type [Actual Users (Industrial) engaged in manufacture of tea bags].

58. Used/scrap rubber tyres/tubes (Each For Actual Users tyre/tube subjected to at least one (Industrial) engaged cut before shipment from the exporting country or before clearance from the customs).

59. Rubber blankets.

60. Glass screens and contact screens (grey and magenta)/colour fillers.

61. Lithographic coated plates.

62. Copper/aluminium/micro metal sheets used in the manufacture of blocks.

63. Quality control films strips and targets.

64. (i) Litho rules for perforating slitting, creasing etc.  
(ii) Anti off-set spray powder.

65. Raw cashewnuts.

66. Insecticides, pesticides and weedicides.

67. Lead scrap including Ash, Skimming, Blowings and Drosses.

68. Ferro-nickel.

69. Carbon Steel plates to IS-2062 or equivalent specification.

70. Sheets/coils to boiler/pressure vessel quality.

71. Chequered plates/coils.

72. Cold Rolled strips 12 mm wide and below.

73. Carbon steel rolled blooms above 400 mm.

74. All categories of alloy and special steels.

75. Dimethyl Polysiloxanes fluid (Silicone oil).

76. Glycol ethers.

77. Phosphorous acid.

78. Tungsten salts.

79. Pyrazinamide.

80. Sodium methozide.

81. Chloride cyanuric.

82. Ethylene dibromide.

83. Acetone.

84. Trisomyl phenyl phosphite.

85. Sodium Lauryl ethyl sulphate.

86. Parachloro benzoic acid.

87. Nylon mono filament bristles.

88. 4 : 4 Benzidine, 2 : 2 disulphonic acid.

89. Polycarbonate moulding powder/granules.

90. Para tertiary butyl phenol.

91. Melamine.

92. Polycarbonate (Thermoplastic raw materials).

93. Dye intermediates.

94. Glass Capillary Tubing for Thermometers.

95. Tracing paper.

96. Glass shells for GLS lamps.

97. Para chloro toluene.

Note.—Only those specifications, sizes, types, varieties, compositions etc. of the above mentioned items can be imported by Actual Users (Industrial) under this Licence, as are covered by condition No. (1) of this Licence i.e. items which do not appear in Appendices 3 to 9 and 15 of the Import & Export Policy, 1982-83 (Volume I), and which conform to other conditions of this Licence.

आवेदन सं. 2/82

बुला सामान्य लाइसेंस सं. 2/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

## आयात व्यापार विवरण

का० आ० 240(प्र) :—आयात-नियात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा 1982-83 (वा० I) की आयात और नियात नीति के परिणामित 2 में विशिष्टकृत विवरण के पूर्जीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयातक वास्तविक उपयोक्ता शर्त के साथ अपने निजी कारबाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यावसायिक कार्यालय या अन्य संबद्ध परिसर में उपयोग के लिए ऐसी भद्रों की आवश्यकता वाले महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के संबद्ध उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्रयोजक या सरकारी प्राधिकारी के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक या गैर श्रौद्धोगिक) हो।
- (2) विषयाधीन पूर्जीगत माल के आयात द्वारा आवेदक का उत्पादन लाइसेंस प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा।
- (3) इस प्रकार आयात किया गया माल नए नियमित का होगा। यदि ये पुरानी या मरम्मत की गई मद्देहोंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जबकि भशीनरी केवल 10 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और इसका शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और जिस देश से आयात किया जाए उस देश के सनदी इंजीनियर का एक प्रमाणपत्र साक्ष्य के रूप में निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारी को उसके संतुष्टीकरण के लिए इस संबंध में प्रस्तुत किया जाए।
- (4) आयातित माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (गैर-श्रौद्धोगिक) उसके द्वारा आरित उस पंजीकरण प्रमाणपत्र को मूल रूप से या फोटो-स्टेट प्रति (वर्तमान समय में बैंध) के रूप में सीमाशुल्क प्राधिकारियों को भेजेगा जो उसको आयात करने के लिए पात्रता प्रदान करते हुए शापूस एड इस्टेवलिशमेंट एक्ट, सिनेमेटोग्राफिक एक्ट या संबंध स्थानीय कानून के अन्तर्गत जारी किया गया हो।
- (5) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक) सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों के

साथ श्रौद्धोगिक एकक के रूप में, अपने श्रौद्धोगिक लाइसेंस/पंजीकरण का व्यौरा देते हुए अर्थात् श्रौद्धोगिक लाइसेंस पंजीकरण की संख्या और दिनांक और विनियमी की अविम उपाद (वे) और यह पुष्ट करते हुए कि (1) ऐसे लाइसेंस पंजीकरण न तो रह कि गए हैं या वापस लिये गए हैं या अन्यथा रूप से प्रचालन में हैं और (2) आयातित भाल श्रौद्धोगिक एकक के रूप में उनके श्रौद्धोगिक लाइसेंस प्रायोजक प्राधिकारी के पास पंजीकरण की शर्तों के बिलकुल अनुसार है, एक घोषणा पत्र सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगा। उन मामलों में जहां संबद्ध प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण सं. नहीं दी गई है आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य कोई प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/श्रौद्धोगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए भी पात्र है।

- (6) आयात किए गए पूर्जीगत माल का विवरण देते हुए 30 सितम्बर, 1982 और 31 मार्च, 1983 के अनुसार उनके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात-नियाति, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक को आवधिक विवरण भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरण निर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने से 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (7) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनियमित न किया गया हो।
- (8) ये माल 31 मार्च 1983 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाये चाहे जो भी हो, भारत को परेषण के जरिये भेजे गए हो या 28-2-1983 को या इससे पूर्व बिंदी भुट्टा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गयी पक्की संविदा के मद्दे 31-3-1984 को या इससे पूर्व लदान कर दिए गए हों।
- (9) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आंदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगा।
- (10) इस प्रकार के माल आयात करते समय लागू कोई भी निवेश अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (11) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे वायित्व या किसी

आवश्यकता को अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट वा दील प्रदान नहीं करता है। आयातकों को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

[मि० सं० आईपीसी/3/2/82]

ORDER No. 2/82  
OPEN GENERAL LICENCE NO. 2/82

New Delhi, the 5th April, 1982

IMPORT TRADE CONTROL

**S.O. 240(E):**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods of the description specified in Appendix 2 of Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I), subject to the following conditions :—

- (i) The importer is an Actual User (Industrial) or (Non-Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or Government Authority concerned, as the case may be requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned, subject to "Actual User" condition;
- (ii) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity.
- (iii) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than ten years old and its remaining life is not less than five years, and evidence to this effect in the form of a certificate of a Chartered Engineer in the Country from which the import is made, is produced to the satisfaction of the customs authority at the time of clearance;
- (iv) Actual Users (Non-Industrial) shall at the time of clearance of the imported goods furnished to the customs authorities the original or a photostat copy of the (currently valid) Registration Certificate held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import;
- (v) Actual User (Industrial) shall produce to the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his Industrial Licence/Registration, as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative and (ii) and the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and is eligible to the import made.
- (vi) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, giving the description of Capital Goods imported and their

c.i.f. value as on 30th September, 1982 and 31st March, 1983. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated.

- (vii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (viii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983, or shipped on or before the 31st March, 1984, against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1983, without any grace period whatsoever;
- (ix) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (x) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, if any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (xi) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) may be subject under laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/82]

आदेश सं० 3/82

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 3/28

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

**का० आ० 241(अ):**—आयात तथा नियति (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड-3 वारा प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका दक्षिण अफ्रीका संघ को छोड़कर यिन्हें किसी भी देश से 1982-83 की आयात-नियति नीति (आ०) के परिशिष्ट 3, 4, 15, या 30 से भिन्न अर्थात् वे सभी पुर्जों जो फालतू पुर्जों के रूप में ग्रंथित हैं। अनुज्ञेय फालतू पुर्जों का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है तथा जो पूर्जीगत मात्र के अनुरक्षण के लिए अपेक्षित हैं जिनमें अनुषंगी, सहायक उपस्थार, नियंत्रण तथा लेबोरेटरी उपस्थार तथा मुरक्का संयंव भी शामिल हैं जिन्हें वास्तविक उपयोक्ताओं (श्रीदौषिगिक या गैर श्रीदौषिगिक) द्वारा 1 अप्रैल, 1982 को स्वापित किया गया था उसका आयात उनके द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा था :—

- (1) वास्तविक प्रयोक्ता (श्रीदौषिगिक) निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को यथा उपयुक्त अपने श्रीदौषिगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाणपत्रों अर्थात् श्रीदौषिगिक लाइसेंस/श्रीदौषिगिक एकक के रूप में सम्बद्ध प्राधिकारी के पास पंजीकरण की सं० तथा दिनांक श्रीर विनिमित् अन्तिम उत्पाद का विवरण देते हुए एक ऐसा घोषणापत्र देंगे जिससे इस बात की पुष्टि होगी कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद् नहीं किया गया है अथवा वापिस

नहीं लिया गया है अर्थवा उसका अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है। जिन मामलों में सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा पृथक पंजीकरण विधि नहीं किया गया है, अधिनक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की इस सतुर्पिट के लिए अन्य वोई प्रभाण प्रस्तुत करेगा कि वह लाइसेंस-धारों और्डोगिक एकक के रूप में पंजीकृत हैं और किए गए आधात के लिए पात्र हैं।

- (2) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (गैर-आधोगिक) दुकान और स्थापना अधिनियम, मिनेमेटोग्राफि अधिनियम अर्थवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाण-पत्र का भूल अर्थवा फोटोस्टेट (वर्तमान समय में वैध) प्रति सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगे जो आधात को प्रभावो बनाने के लिये उन्हें हक्कदार बनाएगी।
- (3) संगणक प्रणाली के मामले में अनुमेय फालसु पुर्जों के आधात को अनुमति आधातित संगणक के लागत बीमा-भाड़ा-मूल्य के 3 प्रतिशत दर या देशी विनिर्मित संगणक प्रणाली खरीद मूल्य के 1/2 प्रतिशत पर दी जाएगी। आधातित माल की निकासी के समय जैसा भी मामला हो, आधात को सीमा शुल्क प्राधिकारी को मनदी लेखापाल/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (व्यवसायी) या सम्बन्धित प्रयोजित प्राधिकारी को लागत बीमा-भाड़ा-मूल्य या संगणक प्रणाली का खरीद मूल्य को प्रदानेत करने हुए एक प्रभाणपत्र प्रस्तुत करता चाहिए। उन्हें इस सम्बन्ध में एक घोषणा-पत्र भी देना चाहिए कि जिस परेषण की निकासी की जानी है उसके लागत बीमा-भाड़ा-मूल्य सहित उसी अवधि में इस प्रकार से पहले ही आधात किए गए माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य अनुज्ञेय सीमा से ज्यादा नहीं हो सनदी/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव को आवेदक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भागीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।
- (4) वे लघु क्षेत्र के एकक जिनके पास सम्बद्ध प्रायोजित प्राधिकारियों के प्रतिनिम पंजीकरण हैं, वास्तविक उपयोक्ताओं की ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन इन लाइसेंस के अन्तर्गत माल आधात करने के पात्र होंगे।
- (5) वास्तविक उपयोक्ता इस लाइसेंस के अन्तर्गत आधातित माल के उपयोग का निर्धारित रूप और विधि से उचित लेखा रद्देगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी

को उनके द्वारा विशिष्टिकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

- (6) यह लाइसेंस आधात (नियंत्रण) आदेश, 1955 का अनुसूची-5 में शर्तें-J के भी अधीन होगी।
- (7) वास्तविक उपयोक्ता 30-9-1982 और 31-3-83 को नोचे लिखे गए प्राधिकारियों को एक आवधिक विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें (a) आधातित मदों के मूल लागत बीमा-भाड़ा-मूल्य और (b) ऐसी आधातित मदों के बीचे जिन का कुल लागत बीमा-भाड़ा मूल्य 2 लाख रुपये से अधिक हो को दर्शाया जाएगा:—

  - (1) बहुत पैमाने क्षेत्र के औद्योगिक एककों के मामले में सम्बद्ध प्रयोजक प्राधिकारी; और
  - (2) अन्य वास्तविक उपयोक्ताओं के मामले में सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी प्रत्येक ऐसा विवरण उपर्युक्त संकेत अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

- (8) इस तरह आधात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका/संघ/इकान परिचयी अफ्रीका में तैयार अर्थवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) ये माल 31 मार्च, 1983 को अर्थवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाये जो भी हो भारा का परेषण के जरिए भेजे जाते हैं या 28-2-1983 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के अनुपाती (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31-3-84 को या इससे पूर्व लदान कर दिए जाते हैं।
- (10) इस प्रकार का माल आधात करने समय लागू कोई भी निवेद अर्थवा उसके आधात को प्रभावित करने वाला विनिमय इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आधातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (11) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) जब अन्य फालसु या विनियमों की मर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी आवश्यकता को अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। आधात को इनके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

## ORDER NO. 3/82

## OPEN GENERAL LICENCE NO. 3/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**5.0. 241(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives the general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, "permissible" spares i.e. all those parts required as spares, other than items appearing in Appendices 3, 4, 15 or 30, in the Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I), as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as on 1st April, 1982, by Actual Users (Industrial or Non-Industrial), subject to the following conditions :—

- (i) Actual Users (Industrial) will furnish to the customs authorities, at the time of clearance a declaration giving particulars of their Industrial licence/registration certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence/Registration with concerned authority as industrial unit and end-product(s) manufactured, and solemnly affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit is eligible to the import made.
- (ii) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods furnish to the customs authorities, the original or a photostat copy of the (currently valid) registration certificates held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the Imports;
- (iii) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 3 per cent of the c.i.f. value of imported computers or 1/2 per cent of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the customs authorities, a certificate from Chartered/Cost Accountant or Company Secretary (in practice), or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered/Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a Director or an employee of the applicant firm or its associates.
- (iv) Small Scale units having provisional registration the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this Licence, subject to Actual User condition.
- (v) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (vi) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (vii) The Actual Users shall furnish periodical returns, as on 30th September, 1982 and 31st March, 1983

to the authorities mentioned below, indicating (a) the total c.i.f. value of the items imported and (b) description of such of the items imported of which the total c.i.f. value exceeds Rs. 2 lakhs :—

- (i) sponsoring authorities concerned in the case of industrial units in the large scale sector; and
- (ii) regional import licensing authorities concerned, in the case of other Actual Users. Each such Return shall be sent within 15 days of the close of the period indicated.
- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983, or shipped on or before 31st March, 1984 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28-2-1983, without any grace period whatsoever.
- (x) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (xi) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/82]

आदेश सं. 4/82

खुला मामान्य लाइसेंस सं. 4/82

नई दिल्ली : 5 अप्रैल 1982

**का० प्रा० 242 (ग्र).**—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से नीचे विणिष्टिकृत माल का आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) 2,000 रु० मूल्य तक के व्यापार संबंधी सूची-पत्रों और परिपत्रों के मुफ्त उपहार—
- (2) मशीनरी और संयंत्र स्थानों, कार्य श्रीर निर्माण, अनुसंधान आंकड़ों से संबंधित वे खाले और इंडिया (माइको-फिल्म सहित) एवं मुफ्त में संभरित किए जाते हैं और जिनका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है :
- (3) एक प्रेषण में अधिकतम 20,000 रु० के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किए जाने वाले मूल तकनीकी और व्यापार संबंधी नमूने जिनमें वनस्पति बीज, मधु-मविषयां, चाय और नए भेयज शामिल नहीं हैं ;
- (4) मुफ्त में संभरित की जाने वाली मूल विज्ञापन संबंधी वह सामान्यी जो एक ही प्रेषण में 2,000 के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य से अधिक न हो;

(5) विदेशी संभरकों द्वारा मुफ्त में संभरित माल या ऐसा माल जो पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए त्रुट्टिपूर्ण, या अनुपयुक्त पाया गया हो या आयात के बाद खो गया हो/टूट-फूट गया हो, उसके बदले में किसी बीमा कंपनी द्वारा तय किए गए बीमा (समुद्रीय) या समुद्री विनिर्माता दावे के मद्दे आयातित माल, बर्तने कि :—

(क) प्रतिस्थापन वाले माल का पोतलदाता पहले आयात किए गए माल का सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मरीनों अथवा उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 24 महीनों से अधिक हो तो पोत-लदान गारंटी अवधि के भीतर किया गया हो ;

(ख) जिस मामले में विदेशी संभरक द्वारा माल का प्रतिस्थापन इस तर्त के अधीन हो कि आयातक प्रतिस्थापन के लिए बीमे श्रीर/या भाड़े का भुगतान करेगा और धन परेषण करते समय इस संबंध में दस्तावेजी साक्ष प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसे मामले के अविरक्त किस प्रकार के धन परेषण का अनुमति नहीं दी जाएगी ।

(ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी के समय निम्नलिखित दस्तावेज सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाएँगे :—

(1) मुफ्त में प्रतिस्थापन के मामले में विदेशी संभरक के साक्ष के रूप में यह प्रदर्शित करते हुए मूल पत्र कि माल मुफ्त संभरित किया जा रहा है ;

(2) लायड्स एजेन्ट से या किसी अन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षक से सर्वेक्षण प्रमाणपत्र या मरीन या उसके पुर्जों के मामले में व्यवसायी स्वावलंबी सनदी इंजीनियर (या सरकारी विभागों और सर्वेजनिक थोक के संस्थानों के मामले में मुख्य कार्य प्रभारी) से इस संबंध में प्रमाणपत्र कि पहले आयात किया गया माल वास्तव में त्रुट्टिपूर्ण दशा में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की अवश्यकता थी ;

(3) जिस मामले के उपर्युक्त उप-खण्ड (क) में निर्धारित 24 महीनों की अवधि के बाद पोत-लदान किया गया हो उस मामले में मरीनों

या उनके पुर्जों के लिए विदेशी संभरक या माल परेषक द्वारा गारंटी की अवधि प्रदर्शित करते हुए साक्ष ;

(4) नए सिरे से धन परेषण वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कंपनी द्वारा मांगे गए भुगतान का साक्ष । प्रतिस्थापन आयात की अनुमति बीमा कंपनी द्वारा निर्णीत मांग के मूल्य तक दी जाएगी, परन्तु इस धनराशि में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि की अनुमति प्रतिस्थापन के रूप में आयात की जाने वाली मरीनरी के मूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है ।

(5) भारत के श्रीष्ठि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व श्रीर लिखित अनुमोदन के साथ और उनके द्वारा निर्धारित किसी भर्ते के अधीन रोग विषयक परीक्षणों के लिए मुफ्त में संभरित भेषज और श्रीष्ठियों/श्रीष्ठि नियंत्रक का अनुमोदन माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाएगा ।

(6) विदेशी संभरकों द्वारा भारत में थोक एजेन्टों को मुफ्त में संभरित भेषजों श्रीर श्रीष्ठियों के मूल व्यापार नमूने जो एक परेषण में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में 10 हजार रुपए से अधिक न हो श्रीर भारत के श्रीष्ठि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश के साथ जो कि माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी ;

(7) भारत के श्रीष्ठि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश जो माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी, के आधार पर मुफ्त में या भुगतान पर संभरित मानव टीके और सेरा ;

(8) राज्य पशुपालन निदेशक, अथवा पशुपालन आयुक्त, भारत सरकार, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश पर निशुल्क अथवा भुगतान के मद्दे भेजे गए पशु टीके जिस में मुर्गी पालन टीके भी शामिल हैं, जिनके लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जानी है ;

(9) कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत गठित पंजीकरण समिति द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र के आधार पर मुफ्त संभरित किए गए कीटनाशी (महा-मारीनाशी और घासपात नाशी सहित) के तकनीकी और व्यापार नमूने और कीटनाशी अधिनियम, 1968 की अनुसूची में शामिल की गई मदों के सम्बन्धमें

समिति द्वारा विभिन्नत भावा और कथित अधिनियम की अनुमती में शामिल न की गई मदों के सम्बन्ध में भारत सरकार के पौधा संरक्षण सलाहकार के लिखित अनुमोदन पर भाल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं;

(11) उपर्युक्त क्रम सं० (8) से (10) में दर्शाई गई मदों के सम्बन्ध में, जहां पर मदें मुफ्त में भेजी गई हो, अनुमेय भाल के आयात की अनुमति उपभोक्ता या खुदरा पैकिंग में नहीं होगी और प्रेषित भाल पर साफ-साफ अक्षरों में "नमूने विक्री के लिए नहीं" अंकित होगा;

(12) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित व्यापार सूची पत्र एवं परिपत्र, खाके एवं ड्राइंग और तकनीकी अवधा व्यापार नमूने आयातक के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा।

(13) किसी भाल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे भाल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा :

(14) यह लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस सं० 4/80 का अतिक्रमण करता है जो कि आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं० 4/81 दिनांक 3 अप्रैल, 1981 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था।

[मिंसं०आइपीसी 3/2/82]

ORDER NO. 4/82  
OPEN GENERAL LICENCE NO. 4/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 242(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission for importation of the goods specified below from any country in the world, except the Union of South Africa/South West Africa :

- (1) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000;
- (2) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building, research data, supplied free of charge and having no commercial value;
- (3) Bona-fide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, bees, tea and new drugs;
- (4) Bona-fide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.f. value, in one consignment;
- (5) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit for use or lost/damaged after import, provided that :

- (a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 24 months;
- (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance;
- (c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods :
  - (i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of replacement;
  - (ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent chartered engineer, (or chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement;
  - (iii) evidence showing the period of guarantee given by the foreign manufacturers of consignors in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above;
  - (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company but an increase upto ten per cent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement;
- (6) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (7) Bona-fide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance ;
- (8) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (9) Animal including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of either the State Director of Animal Husbandry or the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (10) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the basis of the registration issued by the Registration Committee set up under the Insecticides Act, 1968, and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the Insecticides Act, 1968 and on the written approval of the Plant Protection Adviser

to the Government of India in respect of items not included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;

- (11) In respect of items covered by Sl. Nos. (8) to (10) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible materials shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale".
- (12) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold;
- (13) This licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation effecting the import that may be in force at the time when such goods are imported;
- (14) This licence is in supersession of Open General Licence No. 4/81 published vide Import Trade control order No. 4/81 dated the 3rd April, 1981.

[File No. IPC/3/2/82]

आदेश संख्या 5/82

सामान्य खुला लाइसेंस संख्या 5/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल 1982

**का०आ० 243(अ):—**आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी अनुसंधान एवं विकास यूनिट, वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रयोगशाला उच्च शिक्षा संस्थान एवं चिकित्सालय जो केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत हैं, को उनके द्वारा अपेक्षित कच्चेमाल, संघटकों, उपभोज्यों, मणीनगी, उपस्कर, यन्त्रों, उप-साधकों और फालतू पुज़ों की मदों का दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

- (1) आयातक निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार, जो भी हो, द्वारा अपनी मान्यता का विवरण देते हुए, और यह घोषणा करते हुए कि आयातित मध्ये उनके तिजी उपयोग के लिए अपेक्षित हैं, एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान और विकास एकाकों के मामले में, वह यह भी घोषणा प्रस्तुत करेगा कि आयातित माल अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक है।
- (2) उपभोज्य माल की मदें जाहे उनका विवरण किसी भी प्रकार से किया गया हो, इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमेय नहीं होगी। इस लाइसेंस के अन्तर्गत कार्यालय मणीनों का आयात भी अनुमेय नहीं होगा।
- (3) इस प्रकार आयातित माल का उत्पादन अथवा विनिर्माण दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में न किया गया हो।

(4) कम्प्यूटर प्रणाली और फालतू पुज़ों के संबंध में आयात की अनुमति इनैक्टिविक विभाग, नई दिल्ली द्वारा निकासी प्रदान करने पर ही दां जाएगी।

(5) आयातक पत्रम से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतित प्राधिकारी को प्रत्येक एक लाख रुपये अथवा इससे अधिक मूल्य के लिए उनके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा:—

(1) अनुसंधान एवं विकास एककों और वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली का।

(2) इनैक्टिविक मदों के संबंध में इनैक्टिविक विभाग, नई दिल्ली का।

(3) तकनीकी विकास भानुनिदेशालय, नई दिल्ली को उन मामलों में जिन में एकक उनके पाम पंजीकृत किया गया हो।

(4) चिकित्सा और उच्च शिक्षा संस्थान जो भी हो, के मामले में, केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के संबंध प्राशसकीय मंत्रालय का।

(6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्ते-1 के भी अधीन होगा।

(7) ऐसा माल बिना किसी रियायती अवधि के, जाहे वह अवधि कुछ भी हो, 31 मार्च, 1983 को अथवा उससे पूर्व भारत को लदान कर गया हो अथवा 20 फरवरी, 1983 को या उससे पहले की गई प्रौद्योगिकी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत पक्की संविदा के मध्ये। मणीनगी/उपस्कर/फालतू पुज़ों के मामले में 31 मार्च, 1984 को अथवा इससे पहले भारत को परेषण के माध्यम से लदान कर दिया गया हो।

(8) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव लालने वाला कोई निवेद्य या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मिसिन सं० आद्योगीसी/3/2/82]

ORDER NO. 5/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 243(E):—**In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories and spares, required by any research and development unit, scientific or research laboratory, institution of

higher education and hospitals, recognised by the Central or State Governments, subject to the following conditions:—

- (i) The importer shall produce to the customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government, as the case may be, and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R&D units, they shall also declare that the imported item is required for R&D purposes.
- (ii) Items of consumer goods, howsoever described, shall not be permitted for import under this Licence. Import of office machines will also not be allowed under this Licence.
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (iv) In respect of computer systems and spares the import will be allowed on production of clearance by the Department of Electronics, New Delhi.
- (v) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from Customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more:—
  - (i) Department of Science & Technology, New Delhi in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories.
  - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
  - (iii) DGTD, New Delhi, in the case of units registered with them.
  - (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (vi) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (vii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983 or, in the case of machinery/equipment/ spares shipped on or before 31st March, 1984 against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 20th February, 1983, without any grace period whatsoever.
- (viii) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/82]

आदेश सं० 6/82

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 6/82

तई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का० आ० 244(भ) :—आधात तथा निर्यात (नियंत्रण) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने तुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्न लिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिणी परिचमी अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश के आधात एवं निर्यात नीति 1982-83 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 8 और 9 में तिहिं संबद्ध भवों के सामने उत्तिष्ठित मनोनीत मार्फतजनिक क्षेत्र (भरणीबद्ध)

अभिकरणों द्वारा उक्त परिशिष्ट में विशिष्टकृत माल का भारत में आयात करने को मामान्य अनुमति देती है:—

- (1) आधात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के भद्रदे विषय जापा गये।
- (2) आयातित माल का वितरण संबद्ध मरणीबद्ध अभिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जायगा।
- (3) इस तरह आधात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (4) भारत को ऐसे माल का वदान वित्त किरणी विधि के तहत जो कुछ भी हो 30 मिन्स्टर, 1983 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं। बायते कि 31 मार्च, 1983 को या इससे पहले पक्के आदेश कर दिए गए हैं।
- (5) यह लाइसेंस आधात (नियंत्रण) आदेश, 1955 को अनुमूली-5 में शर्त-1 के भी अधीन होगा।
- (6) इस प्रकार के माल का आधात करने समय लागू कोई भी नियंत्रण या उसके आधात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आधातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिमिल सं० आई०पी०मी०/3/2/82]

ORDER NO. 6/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 244(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the goods of the description specified in Appendix 8 and Appendix 9 of Import & Export Policy, 1982-83 (Vol. I), by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendices, subject to the following conditions:—

- (i) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose;
- (ii) Imported goods shall be distributed by the Canalising agency concerned in accordance with the policy and procedure laid down;
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (iv) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September, 1983, without any grace period, whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March, 1983;
- (v) This Licence shall also be subject to condition No. 1, in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(vi) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any other prohibition regulation, affecting the imports thereof in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/82]

आदेश सं० 7/82

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-७/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का० आ० 245(अ) :—आयात-नियान्त्रण (नियंत्रण), अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-३ द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा जिगों, जुड़नारों, मोल्डम (आया आमिक के लिए मोल्डम सहित) मोल्डम के पुर्जों और प्रैम और जारों (1982-83 की आयात-नियान्त्रण नीति (वा०-१) के परिणामित-१, 3 और 4 में प्रदर्शित से भिन्न) के भारत में आयात की सामान्य अनुमति दिक्षण अकीका संघ/दिक्षणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :—

- (1) आयातक अपने निजी संस्थान में उपयोग के लिए ऐसी मर्दों की आवश्यकता रखते हुए महानिदेशक नक्नोकी विकास, नई दिल्ली या सम्बद्ध राज्य के उद्योग निदेशक या प्रन्य सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक) हो,
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई मर्दें होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब कि मर्मीनरी केवल 10 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और उसका शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और इस सम्बन्ध में जिस देश से आयात किया जाए उस देश के सनदी हंजीनियर का एक प्रमाण-पत्र साध्य के रूप में निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को उस के संतुष्टीकरण के लिए प्रस्तुत किया जाए।
- (3) श्रौद्धोगिक लाइसेंस पंजीकरण अर्थात् श्रौद्धोगिक एकक के रूप में वास्तविक उपयोक्ता को जारी किए गए श्रौद्धोगिक लाइसेंस पंजीकरण संख्या तथा दिनांक और विनियमित अन्तिम उत्पाद के ब्यारे देते हुए सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक माल की निकासी के समय सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र यह शपथ देते हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, त वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रभावी किया गया है। जिन मामलों में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग पंजीकरण सं० आवंटित न की गई हो उनमें

आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए अन्य उचित साध्य प्रस्तुत करेगा।

- (4) 30-9-1982 और 31-3-1983 को आयातित पूजीगत माल और उसके लागत बीमा-भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात-नियान्त्रण, नई दिल्ली के कार्यालय में सांचिकी निदेशक को आवधिक विवरण पत्र भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरण पत्र निर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की अनुसूची-५ मर्त सं० १ के भी अधीन होगा।
- (6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनियमित न हो।
- (7) ऐसे माल का पोतलदान 31 मार्च, 1983 को या इससे पूर्व भारत के प्रेषण के माध्यम से या 28-2-1983 को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय साखन्यतों के लिए पक्के आदेशों के मद्दे 31 मार्च, 1984 को या इससे पूर्व कर दिया गया हो और जो कुछ भी हो इसमें किसी किस्म की रियायती अवधि की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
- (8) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू काई भी नियंत्रण अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों का प्रभावित नहीं करेगा।
- (9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुयालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिसिल संख्या-श्रौद्धीपीसी 3/2/82 ]

ORDER NO. 7/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 7/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 245(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Jigs, fixtures, moulds (including moulds for diecasting), parts of moulds and press tools (other than those appearing in Appendices 1, 3 and 4 of the Import & Export Policy, 1982-83 (Vol. I), subject to the following conditions :—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned

State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking;

(2) The goods so imported shall be of new manufacture. If they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than ten years old and its remaining life is not less than five years, and evidence to this effect in the form of a certificate of a Chartered Engineer in the country from which the import is made, is produced to the satisfaction of the customs authority at the time of clearance;

(3) The Actual User (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial licence/Registration certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration issued to the Actual User as an industrial unit and the end-product(s) manufactured, and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities;

(4) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, giving the description of the goods imported and their c.i.f. value, as on 30th September, 1982 and 31st March, 1983. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period concerned.

(5) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;

(7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983 or on or before 31st March, 1984 against firm orders for which irrevocable Letters of Credit are opened on or before the 28th February, 1983, without any grace period, what-so-ever;

(8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported;

(9) The Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/82]

आदेश सं 8/82

खुला सामान्य लाइसेंस सं 8/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

**का० आ० 246 (अ) :-**आयात तथा नियति (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एवं द्वारा नियन्त्रित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका दक्षिण अफ्रिकी मध्य का छोड़कर किसी भी देश से तेल तथा प्राकृतिक गैस आयात (आ० एन० जी० सी०) आयल इंडिया लि०, सर्वश्री 27 GI/82—3

भारत स्वर्ण खान लि० द्वारा वस्त्रे माल की सभी मर्दों, संघटकों, उपभोज्य, मणीमरी, उपकरण और, यंत्र उप-साधकों, औजारों और फालतू पुर्जों (किन्तु उपभोज्य माल को छोड़कर, जहाँ उसका उल्लेख किसी भी प्रकार क्यों न किया गया) का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) आयात के लिए स्वीकृत मर्दें वे ही मर्दें होंगी जिनकी देशी दृष्टि से महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। जहाँ किसी भी इलैक्ट्रॉनिक मद में 5 लाख रुपये के लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के या इसमें अधिक मूल्य के प्रतिकृति उपकरण और समूद्रीय इलैक्ट्रॉनिक्स उपकरण और मूल्य को ध्यान रखें विना इनके पुर्जे शामिल हों तो आयात की स्वीकृति इलैक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान करने के बाद ही दी जाएगी। इप संबंध में साथी सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को भेजे जाएंगे। नीचे दिए गए पैरा (3) और (4) के लिए देशी निकासी की आवश्यकता नहीं होगी।

(2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की मई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे, लेकिन नीचे के पैरा (3) और (4) में आने वाले को छोड़कर;

(3) जहाँ सर्विस संविदाएँ उस विदेशी ठेकेदार को दी गई हैं, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण लाता है बश्ते कि (क) ऐसे उपकरणों के आयात के लिए भुगतान न किया जाना हो और (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग वह बचन दे कि कार्य की समाप्ति पर, ऐसे उपकरण पुनः नियति कर दिए जाएंगे। यदि आयातित उपकरण प्रौजेक्टर या कैमरा, जैसी किसी मद के साथ जोड़ी गई हैं, जो कि उसके पुर्जे बनाती हों तो ऐसी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स का आयात, आ० एन० जी० सी० मुख्य उपकरण के साथ यिए उसका पुनःनियति करने के लिए/बचन के अधीन होगा।

(4) जहाँ सर्वश्री मजगांव डाक्स लि० अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के इसी प्रकार के किसी अन्य उपकरण को आप-शोर संविदा श्री जाती है और विदेशी इंजी-नियरों विशेषज्ञों की सेवाएँ कार्यों को पूर्ण करने में लगी हुई हैं और ऐसे इंजीनियर, विशेषज्ञ कार्य के निष्पादन के लिए औजार, यंत्र और उपस्कर लाते हैं, बश्ते कि (क) विषयाधीन माल के आयात का भुगतान नहीं करना होगा और (ख) सर्वश्री मजगांव डाक्स या अन्य सार्वजनिक क्षेत्र का संगठन यह बचन देता है कि आयातित औजार यंत्र और उपस्कर उस कार्य को पूरा होने के पश्चात् पुनः नियति कर दिए जाएंगे।

(5) ओ० प० ए० ज० स० गे आफ०-श०र० संविधाण० प्राप्त करते आने दिजी क्षेत्र के संस्थानों द्वारा माल आयात किया जाना है और ऐसी संविदा के निष्पादन के लिए मान उनके द्वारा अपेक्षित है।

(6) आयात "वास्तविक उपभोक्ता," गते के अधीन होगा।

(7) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।

(8) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनियमित न किया गया हो।

(9) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी नियायी अवधि के नहीं जो कुछ भी हो, 31 मार्च, 1983 को या इसमें पूर्व परेपण के माध्यम से कर दिया जाते हैं या मशीनरी और फालू पुर्जी के मामले में इनका लदान 28-2-83 को इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31 मार्च, 1984 को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।

(10) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी नियंत्रण अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मि०स०आईपीसी 3/2/82]

ORDER NO. 8/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 8/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 246(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, all items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, tools and spares (but not consumer goods how-so-ever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Limited and M/s. Bharat Gold Mines Ltd., subject to the following conditions :—

(1) The items permitted for import shall be those cleared by the DGTB, New Delhi from indigenous angle. Where import of any electronics items including facsimile equipment for a cif value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronics equipment and parts irrespective of value, is involved, the import shall be allowed only after clearance is given by the Department of Electronics. Evidence to this effect shall be produced to the customs authorities. Indigenous clearance will not be required under (3) and (4) below;

(2) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose, except under (3) and (4) below.

(3) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor, who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not to be paid for and (b) the Oil & Natural Gas Commission undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera, which forms its part the import of such consumer durables shall be subject to ONGC undertaking their re-export alongwith the main equipment.

(4) Where an off-shore contract is awarded to M/s. Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of foreign engineers/specialists are engaged for completion of the work, and such engineer/specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M/s. Mazagaon Docks or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools, instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.

(5) The goods are required to be imported by public sector undertaking receiving off-shore contracts from ONGC, and are required by them for execution of such contract.

(6) The import shall be subject to "Actual User" condition.

(7) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(9) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983, or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March, 1984 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1983, without any grace period what-so-ever.

(10) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported

[File No. IPC/3/2/82]

आवेदा सं० 9/82

बुला सामान्य लाइसेंस सं० 9/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

**का० ग्रा० 247(अ).**—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा सामान्य स्वप में निम्नलिखित मानों के अधीन, प्रथम हिंदू, इंडियन एयरलाइन्स और अन्य उन एयर लाइन को जो आई० ए० टी० ए० के मद्द्य हैं, फालू पुर्जी, उग्रोज्य सामग्री 1982-83 (वा० 1) की आयात-निर्यात भीति के परिशाप्त 9 के अन्तर्गत आने वाली ग्रीज और स्नेहक को छोड़कर एयरक्राफ्ट के टायर और ट्यूब, पुस्तिकाओं, तकनीकी डाउन और उनके द्वारा संचालित और गतित एयरक्राफ्ट के फ्लीट से संबद्ध निर्देशन और अन्य तकनीकी साहित्य और

संबंधित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को आयात करने की स्वीकृति प्रदान करती है:—

- (1) कोई भी उपभोज्य सामान चाहे उसका किसी भी प्रकार उल्लेख क्यों न किया गया हो इस खुले सामान्य लाइसेंस की व्यवस्थाओं के अधीन उसे आयात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
- (2) आयातित मदें “वास्तविक उपयोक्ता शर्त” के अधीन होंगी।
- (3) निकासी के समय आयातिक प्रयरलाइन और आई०ए० टी०ए० के अंतर्गत बत्तमान सदस्यता के ब्यौरे को दर्शते हुए सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
- (4) एयरक्राफ्ट संचालन कम्पनियां अपने एयरक्राफ्टों के रख रखाव के लिए सीमा शुल्क को साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कि आयातक पंजीकृत है या दुकान और संस्थानों के लिए आगू स्थानीय नियम के अधीन कम से कम तीन बर्षों से प्रमाण पत्र प्राप्त किए हुए हैं, आयात और नियात नीति, 1982-83 (बा० 1) के परिशिष्ट 3, 4, 15 या 30 में दर्शाएँ गए से भिन्न फालतू पुर्जों का आयात कर सकता है।
- (5) कार्यकारी एयरक्राफ्ट के स्वामी, चाहे निजि अथवा सार्वजनिक अधिकारी में हों, अपने एयरक्राफ्ट के रख रखाव के लिए आयात और नियात नीति, 1982-83 (बा० 1) के परिशिष्ट 3, 4, 15 या 30 में दर्शाएँ गए से भिन्न फालतू पुर्जों का आयात कर सकते हैं।
- (6) आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका से और या वहां उत्पादित या विनिर्मित नहीं होने चाहिए।
- (7) भारत को माल का लदान बिना किसी रिआयती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 31 मार्च, 1983 को या इसमें पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिये जाने हैं।
- (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।
- (9) इस प्रकार के माल का आयात करते समय आगू कोई भी नियंत्रण अवधि उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।

ORDER NO. 9/82  
OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 247(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to Air India, Indian Airlines and other Airlines who are members of the IATA, to import spares, consumables (excluding greases and lubricants covered by Appendix 9 to the Import and Export Policy, 1982-83 (Volume I), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associate test and training equipments, subject to the following conditions :—

- (i) No consumer goods how-so-ever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence;
- (ii) The imported items shall be subject to the “Actual User” condition;
- (iii) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA;
- (iv) Companies operating aircraft can import spares other than those appearing in Appendices 3, 4, 15 or 30 of import & export policy, 1982-83 (Volume I), for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the customs that the importer has been registered or holds a certificate for at least three years under the local law applicable to shops and establishments;
- (v) Owners of executive aircraft, whether in private or public sector, can import spares other than those appearing in Appendices 3, 4, 15 or 30 of import & export policy, 1982-83 (Volume I) for maintenance of their executive aircrafts;
- (vi) The goods imported should not be from and or have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (vii) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983 without any grace period, what-so-ever;
- (viii) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (ix) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/82]

आवेद संख्या 10/82

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 10/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का० आ० 248 (अ) :—आयात तथा नियात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसमें संलग्न अनुसूची में विशिष्टकृत व्यौरों की मदों का, प्रत्येक मद के सामने संकेतिक पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा दक्षिण

अफीका दक्षिण पश्चिमी अफीका संबंध को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मद के सामने संकेतित मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जाएगा,
- (2) संलग्न अनुसूची में क्रम सं० 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित चिकित्सा औजार आदि, वैज्ञानिक और मोटर वाहन तथा कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, पात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उसी वित्तीय वर्ष में पहले से ही आयातित ऐसे माल के लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के बारे में, सीमा शुल्क प्राधिकारी को निकासी के समय घोषणा पत्र देगा,
- (3) मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकारी को, मोटर वाहन अधिनियम, 1939 के अधीन करों के अद्यतन भुगतान छूट के साथ्य सहित, सम्बद्ध वाहन या ट्रैक्टर का वैद्य पंजीकरण प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा,
- (4) ये माल 31 मार्च, 1983 को या उससे पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो भी हो, भारत को परेषण के जरिये भेजे गए हों,
- (5) आयात “वास्तविक उपयोक्ता” शर्त के अधीन होगा,
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की गति-1 के अधीन होगा,
- (7) इस प्रकार के माल का वास्तव में आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अवधि उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिसिन सं० आई पी सो 3/2/82]

खला सामान्य लाइसेंस संख्या 10/82, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

सं०	मद	पात्र आयातक, मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य
1	2	3
1.	भेषज और औषध	(1) अस्पताल और चिकित्सा संस्थानों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी समय में ऐसे आयातित माल का

1	2	3
		लागत बीमा-भाड़ा मूल्य 25 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा,
		(2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उसके निजी उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा भाड़ा मूल्य एक हजार रुपए से अधिक नहीं होगा, और
		(3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए बशर्ते कि एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य 5 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।
		(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्थानों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान दो लाख रुपए से अधिक नहीं होगा ।
		(2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।
		3. प्रक्षरे इन्टर्सिफाइस स्क्रीन अस्पताल और रेडियोलोजिकल क्लिनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य पचास हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।

1	2	3
4. वैज्ञानिक और माप विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औषध के क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य वस हजार रुपए से अधिक नहीं होता।	5. परीक्षण उपकरण, परीक्षण औजार और रसायन राज्य औषध नियंत्रक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं उपयोग के लिए एक वर्ष में 50,000/-रुपए (लागत-बीमा-भाड़ा) तक के कुल मूल्य के लिए औषध तथा शुगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अनुमोदित परीक्षण प्रयोगशालाएं।	6. रेयर प्रथं प्राक्साइड परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई की सिफारिश प्रस्तुत करने पर वास्तविक उपयोक्ता।
7. बिना टेप (सी, ओ) के बोडियो केसट और उसके पुर्जे वास्तविक उपयोक्ता।	8. मोटर वाहन और कृषि ड्रैफ्टरों के फालतू पुर्जे वह व्यक्ति जिसके पास आयातित वाहन/कृषि ड्रैफ्टर है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक।	9. अव्यवसायी रेडियो मंचार उपस्कर जिसमें किट्स, उपसाधित (अन्टीना, रोटरी मोटर, फोड़ नाइन, स्टैंडिंग बेव रेडियो ब्रिज सहित) यन्त्र, फालतू पुर्जे और संचाटक शामिल हैं। उपस्कर नियन्त्रित की-फ्रेन्सी रेन्ज और सीमाओं के भीतर समरूप हो।
4. वैज्ञानिक और माप विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औषध के क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य वस हजार रुपए से अधिक नहीं होता।	5. परीक्षण उपकरण, परीक्षण और रसायन राज्य औषध नियंत्रक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं उपयोग के लिए एक वर्ष में 50,000/-रुपए (लागत-बीमा-भाड़ा) तक के कुल मूल्य के लिए औषध तथा शुगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अनुमोदित परीक्षण प्रयोगशालाएं।	6. रेयर प्रथं प्राक्साइड परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई की सिफारिश प्रस्तुत करने पर वास्तविक उपयोक्ता।
7. बिना टेप (सी, ओ) के बोडियो केसट और उसके पुर्जे वास्तविक उपयोक्ता।	8. मोटर वाहन और कृषि ड्रैफ्टरों के फालतू पुर्जे वह व्यक्ति जिसके पास आयातित वाहन/कृषि ड्रैफ्टर है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक।	9. अव्यवसायी रेडियो मंचार उपस्कर जिसमें किट्स, उपसाधित (अन्टीना, रोटरी मोटर, फोड़ नाइन, स्टैंडिंग बेव रेडियो ब्रिज सहित) यन्त्र, फालतू पुर्जे और संचाटक शामिल हैं। उपस्कर नियन्त्रित की-फ्रेन्सी रेन्ज और सीमाओं के भीतर समरूप हो।

1	2	3
भारत सरकार सचार मंत्रालय वायरलेस योजना एवं समन्वय बंड की पूर्व अनुमति के बिना आयातित माल किसी भी पार्टी या व्यक्ति को हस्तान्तरित नहीं किया जाएगा।		

## 1. हाई फ्रीक्वेन्सी (एच० एफ०)

मीटर बैन्ड	फ्रीक्वेन्सी रेन्ज	उत्पादन पावर लिमिट
160 एम	1. 8 से 2. 0 एम एच जैड तक	150 वाट्स
80 एम	3. 5 से 4. 0 एम एच जैड तक	150 "
40 एम	7. 0 से 7. 5 एम एच जैड तक	150 "
20 एम	14. 0 से 14. 50 एम एच जैड तक	150 "
15 एम	21. 0 से 21. 50 एम एच जैड तक	150 "
10 एम	28. 0 से 30. 00 एम एच जैड तक	150 "
2 एम	144 से 148 एम एच जैड तक	25वाट्स
3. अस्ट्रा हाई फ्रीक्वेन्सी (यू० एच० एफ०)		
70 एम	430 से 440 एम एच जैड तक	25वाट्स

टिप्पणी :—हाई फ्रीक्वेन्सी ट्रान्सस्विचर में भी केलिब्रेशन उद्देश्य के लिए 10 एम० एच० जैड० या 15 एम० एच० जैड० स्टेन्डर्ड फ्रीक्वेन्सी रिसेप्शन सुविधा शामिल है।

ORDER NO. 10/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 10/82

New Delhi, the 5th April, 1982

लाइसेंसधारी रेडियो अव्यवसायी रेडियो संचार जिसमें किट्स, उपसाधित (अन्टीना, रोटरी मोटर, फोड़ नाइन, स्टैंडिंग बेव रेडियो ब्रिज सहित) यन्त्र, फालतू पुर्जे और संचाटक शामिल हैं। उपस्कर नियन्त्रित की-फ्रेन्सी रेन्ज और सीमाओं के भीतर समरूप हो।
---

S.O. 248(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions :—

- (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified,
- (2) In the case of medical instruments, etc., scientific instruments and chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors, referred to at Serial Nos. 2, 4, 5 and 6 in the annexed schedule, the eligible importer shall, at the time of clearance,

give a declaration to the customs authority about the c.i.f. value of such goods already imported under this provision in the same financial year;

- (3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of upto date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939;
- (4) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1983, without any grace period, what-so-ever;
- (5) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (6) The licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) order, 1955;
- (7) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported.

[File No. IPC/3/2/82]

**SCHEDULE TO OGL NO. 10/82 DATED THE 5TH APRIL,  
1982**

No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import	
1	2	3	
1.	Drugs and medicines.	<p>(i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty-five thousand rupees;</p> <p>(ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one thousand rupees; and</p> <p>(iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousand rupees.</p>	5. Testing equipment, testing instruments and chemicals.
2.	(a) Medical including surgical, optical and dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and dental materials.	<p>(i) Hospitals and medical institutions, for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed two lakhs rupees, in a financial year.</p> <p>(ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the c.i.f. value of such goods</p>	Testing laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000/- (c.i.f.) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.
	(b) Sutures and needles for surgical purposes appearing in		6. Rare Earth Oxide. Actual Users on production of recommendation from Department of Atomic Energy, Bombay.
			7. Video cassette without Actual Users tape (C.-0) and parts thereof.
			8. Spare parts of motor vehicles and agricultural tractors for their own use, upto c.i.f. value of rupees five thousand in a financial year.
			9. Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antenna rotary motors feed lines standing wave ratio bridge) instruments spares and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and power limitations.
			By licensed radio amateur for their own purpose (evidence shall be produced to the Customs authorities to this effect) provided the c.i.f. value of such goods imported in a financial year does not exceed Rs. 10,000/- Goods imported shall not be transferred to any individual or party without prior permission of the Wireless Planning & Coordination Wing of the Ministry of Communications Government of India.

## I. High Frequency (H.F.)

Meter Band	Frequency range	Output power limit
160m	1.8 to 2.0 Mhz	150 watts
80m	3.5 to 4.0 Mhz	150 watts
40m	7.0 to 7.5 Mhz	150 watts
20m	14.0 to 14.50 Mhz	150 watts
15m	21.0 to 21.50 Mhz	150 watts
10m	28.0 to 30.00 Mhz	150 watts
II. Very High Frequency (VHF)		
2m	144 to 146 Mhz	25 watts
III. Ultra High Frequency (UHF)		
70Cms.	430 to 440 Mhz	25 watts

NOTE:—The H.F. transreceivers also incorporate either 10 Mhz or 15 Mhz standard frequency reception facility for calibration purposes.

आदेश सं. 11/82

बुला सामान्य लाइसेंस सं. 11/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का० आ० 249 (अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एकीकृत इस्पात मंथनों, छोटे इस्पात मंथनों और विद्युतीय ताप भट्टियों द्वारा (क) फायर कन स्टोपर हैड्स और नोजल्स से भिन्न स्टोपर हैड्स और नोजल्स और (ख) ताबे के भाँतों (लगातार बिलेट की डलाई के लिए) का दक्षिणी अफ्रीका मंष्ठ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका की छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान करती है:—

- (1) उपर्युक्त भद्र (क) का आयात केबल एकीकृत इस्पात मंथनों द्वारा किया जाएगा;
- (2) इस तरह आयात किए जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका मंष्ठ में उत्पादित या विनिर्मित नहीं किया गया हो;
- (3) बिना किसी गिरियायती अवधि के, जो भी हो, 31 मार्च, 1983 को अथवा इससे पहले प्रेषण के माध्यम से भारत में ऐसे माल का पोतलदान किया गया हो;
- (4) आयत “वास्तविक उपयोक्ता” शर्त के अधीन होगा; और
- (5) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निश्चय अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत

किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मि० सं० आई० पी० सी० 3/2/82 ]

ORDER NO. 11/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 249(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Import and Export (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import by integrated steel plants, mini steel plants and electric arc furnaces of (a) stopper heads and nozzles other than fire clay stopper heads & nozzles (b) copper moulds (for continuous billet casting) from any country except Union of South Africa/South-West Africa, subject to the following conditions:—

- (i) Item (a) above shall be imported only by integrated steel plants.
- (ii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983, without any grace period, what-so-ever;
- (iv) The import shall be subject to 'Actual User' condition; and
- (v) Nothing in this licence shall affect the application to the goods, in question, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[F. No. IPC/3/2/82]

आदेश लंबा 12/82

बुला सामान्य लाइसेंस लं. 12/82

नई दिल्ली 5 अप्रैल, 1982

का० आ० 250 (अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ के अतिरिक्त किसी भी देश के सरकारी विभागों (केन्द्रीय अथवा राज्य), अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना से किसी भी माल के भारत में आयात की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) भारत सरकार और सम्बन्धित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार, विद्युधीन माल का निःशुल्क आयात किया जाता है;
- (2) आयातित माल भारतीय सरकार और सम्बन्धित विदेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के प्रत्युमार हैं, और इस सम्बन्ध में प्रणालीनिक मन्त्रालय अथवा सम्बन्धित परियोजना प्राविकारी

द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा ;

(3) ऐसे माल का प्रेषण द्वारा भारत में 33 मार्च, 1983 को अथवा उससे पूर्व, बिना किसी रियायती अधिकारी के चाहे जो कुछ भी हो नदान किया जाता है ;

(4) ऐसे माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा विनिर्मित नहीं हो, और

(5) किसी माल के लिए उसके आयात की प्रभावी करते वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

2. इस लाइसेंस के अन्तर्गत दो सरकारों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत आने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यतिगत सामान के आयात की अनुमति भी, निकासी के समय प्रणाली-मनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी का इस सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि आयातित माल (जिसका ब्यौरा प्रमाणपत्र में विया जाना है) भारत सरकार और सम्बन्धित विदेश सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार किया गया है। आयात इस प्रारंभ पर भी होगा कि ज्यों ही सम्बन्धित विदेशी विशेषज्ञ प्रपत्त कार्य पूर्ण कर भारत से जाने लगें तो (उपर्योगी माल से मिश) अन्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा।

[मि. सं० आई० पी० सी०/3/2/82]

ORDER No. 12/82  
OPEN GENERAL LICENCE NO. 12/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 250(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Governments, subject to the following condition :—

(i) The goods, in question, are imported free of cost in pursuance of an agreement between the Government of India and the foreign Government concerned;

(ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned, and a certificate to this effect issued by the Administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the customs authorities at the time of clearance;

(iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983 without any grace period what-so-ever;

(iv) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/ South West Africa; and

(v) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign export going to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumptions) are re-exported as soon as the foreign expert concerned leave India after completion of his assignment.

[F. No. IPC/3/2/82]

आवेदन सं० 13/82

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-13/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का०ग्र० 251(ग).—आयात एवं निर्यात (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद-द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रत्न तथा आभूषण और स्वर्णकार एवं शिल्पकारों की भक्तिरी समितियों के पंजीकृत निर्यातिकों द्वारा आयात तीति 1982-83 (जिल्द-1) के परिशिल्प-10 की सूची-1 में वर्णित रत्न और आभूषण के उत्थोग के लिए अपेक्षित मशीनरी उपस्कर, परीक्षण उपकरण, औजारों एवं यन्त्रों का आयात करने के लिए दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

(1) आयात “वास्तविक उपयोक्ता” शर्तों के अधीन होगा ;

(2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा, यदि वह माल पुराना या भरम्भत की गई मदों के रूप में होगा तो उसके आयात की अनुमति केवल तब वी जाएगी जब मशीनरी 10 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और उसकी शेष आयु 5 वर्ष से कम न हो और जिस देश से आयात किया गया हो उस देश के एक मनदी इंजीनियर से माल की निकासी के समय इस सम्बन्ध में एक प्रमाण पत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाता है ;

(3) रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातिक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रपत्त पंजीकरण का यह विवरण देते हुए कि रत्न एवं आभूषण निर्यात संबंधित परिषद् के पास नियंत्रण के रूप में पंजीकृत हैं और यह शपथ लेते हुए

कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है न वापस किया गया है न अन्यथा रूप से अप्रभावित किया गया है यह घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगे। स्वर्णकारों और शिल्पकारों की सहकारिता समिति इसी प्रकार से सहकारी समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगी ;

(4) रत्न व ग्राम्यपूर्ण नियंत्रित संवर्धन परिषद भी स्वयं स्थापित किए गए संस्थानों के उपयोग के लिए प्रस्तुत लाइसेंस में शामिल उपस्कर्णों का इसके अधीन आयात कर सकती है ;

(5) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा विनिर्मित न हो ;

(6) ऐसा माल 31 मार्च, 1983 को अथवा उससे पहले किसी भी रियायत के बिना भारत को परेक्षण के माध्यम से लाद दिया गया हो ;

(7) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त (1) के अधीन होगा ;

(8) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई नियंत्रण विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगी ।

[मिसिन संज्ञा आईपीसी 3/2/82]

#### IMPORT TRADE CONTROL

ORDER No. 13/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 251(E).**—In exercise of the power conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of machinery equipment, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery industry appearing in List 1 of Appendix 10 of the Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I), by Registered Exporters of gem and jewellery and Co-operative Societies of goldsmiths and artisans, from any country except the Union of South Africa/ South West Africa, subject to the following conditions :—

- (1) The import shall be subject to "Actual User" conditions;
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than ten years old and its remaining life is not less than five years, and evidence to this effect in the form of a certificate of a Chartered Engineer in the country from which the import is made, is produced to the satisfaction of the Customs authority at the time of clearance.
- (3) Registered Exporter of Gem and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of his registration as an exporter with the Gem &

27 GI/81-4

Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. A Co-operative Society of goldsmiths and artisans will, likewise, furnish a declaration about its registration as a Co-operative Society;

- (4) The Export Promotion Council for Gem and Jewellery can also import under this Licence, the equipments covered by it, for use of the Institutes set up by the Council;
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/ South West Africa;
- (6) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March, 1983, without any grace period, what-so-ever;
- (7) This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

IF. No. IPC/3/2/82

आदेश सं. 14/82

खुसा सामान्य लाइसेंस सं. 14/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

**का०आ० 252 (म) :-** आयात-नियंत्रण (नियंत्रण), अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन (क) सरकारी औद्योगिक संस्थान (विभागों द्वारा परिचालित) (ख) रेलवे (ग) सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना संस्थान और (घ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थान को पूँजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, उपभोज्य और फालतू पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

(1) सरकारी औद्योगिक संस्थानों (विभागों द्वारा परिचालित किन्तु इसमें रक्षा संस्थान शामिल नहीं हैं) और रेलवे के मामले में पूँजीगत माल, संघटकों, उपभोज्य और फालतू पुर्जों को खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात करने की अनुमति होगी, बताते कि :—

(1) आयात-नियंत्रण नीति, 1982-83 (जिल्ड-1) के परिणाम-3, 4, 6, 15 और 30 के अधीन आने वाली मदों के आयात के लिए भवानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली में देशी निकासी प्राप्त न कर ली गई हों;

(2) जहां 5 लाख रुपए या इससे अधिक वे लागत-विमा-भाड़ा मूल्य की इलैक्ट्रोनिक मदें जिनमें प्रतिकूल उपकरण भी शामिल हों और मूल्य

को ध्यान में रखे बिना समुद्रीय इलैक्ट्रानिक उपकरण और उनके पुर्जों का आयात शामिल हो, वहाँ इलैक्ट्रानिक विभाग, नई दिल्ली से निकासी प्राप्त कर ली गई हो ;

(3) आयातित पूंजीगत माल की मदें वे हैं जो आयात-नियात नीति, 1982-83 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-2 के अन्तर्गत आती हैं और आयात-नियात नीति, 1982-83 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1, 3 और 4 में शामिल किए गए से भिन्न जिम्स, जुड़नार, मोल्ड्स (डाय-कास्टिंग के लिए मोल्ड्स सहित), मोल्ड्स के पुर्जे और प्रेस औजार ;

(4) प्रशासकीय मंत्रालय/वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे आयात किया जाता है; और

(5) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारी को उपर्युक्त (1), (2) और (4) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए जाते हैं ।

(2) राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना/सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों और महानिदेशक, 'दूरदर्शन' तथा आकाशवाणी, नई दिल्ली के मामले में फालतू पुर्जों का आयात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमेय होगा बताते कि :—

(1) इस उद्देश्य के लिए आयात, सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया गया हो ;

(2) गैर-अनुमेय फालतू पुर्जे प्रथम जो 1982-83 की आयात-नियात नीति (जिल्द-1) के परिशिष्ट 3, 4, 15 या 30 में आते हैं उनके लिए देशी निकासी महानिदेशक, तकनीकी विकास नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो ;

(3) जहाँ 5 लाख के लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य या इसमें अधिक मूल्य की इलैक्ट्रानिक मदों का आयात शामिल हो, वहाँ निकासी इलैक्ट्रानिक विभाग नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो; और

(4) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की उपर्युक्त (1), (2) और (3) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए गए होंगे ।

(3) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के आर्द्धोगिक संस्थानों के लिए निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे :—

(1) कच्चे माल, संधटकों, उपभोज्य और फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन दी जाएगी देखिए आयात-नियात नीति, 1982-83 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-10 की मद मं० 1, 2 और 4 किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है ;

(2) अनुसंधान एवं विकास एकक कच्चा माल और अन्य माल आयात करने के लिए पात्र होंगे, देखिए आयात-नियात नीति 1982-83 (जिल्द-1) के परिशिष्ट -10 की मद सं० 5, किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है ;

(3) पूंजीगत माल का आयात तभी अनुमेय होगा यदि वे आयात-नियात नीति, 1982-83 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-2 में दर्शाई गई हो और जिस और जुड़नार के आयात की अनुमति उक्त नीति के परिशिष्ट-10 की मद सं० 6 के अनुसार दी जाएगी ;

(4) कम्प्यूटर के फालतू पुर्जों का आयात 1982-83 की आयात-नियात नीति (जिल्द-1) के परिशिष्ट-10 की मद सं० 8 के अनुसार अनुमेय होंगी ;

(5) वे मदें जिनका आयात 1982-83 की आयात-नियात नीति (जिल्द-1) के परिशिष्ट-10 के अनुसार खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन "वास्तविक उपयोक्ताओं" और/या "सभी व्यक्तियों" द्वारा बहाँ किया जा सकता है जहाँ ऐसे माल का आयात करने वाले आर्द्धोगिक एककों द्वारा कच्चे माल, संधटकों या उपभोज्य सामग्री के रूप में प्रपेक्षित हों ;

(6) वर्ष 1982-83 के दौरान इस प्रकार के आयातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा संबद्ध एकक को आर्द्धोगिक विदेशी मुद्रा से प्राधिक का कुल आयात नहीं होगा और सीमा शुल्क से निकासी के समय प्रायातक एकक इस संबंध में एक घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेगा कि 1982-83 में संबंधित प्रायातक एकक को रक्षा मंत्रालय इस उद्देश्य के लिए कुल दी गई विदेशी मुद्रा की धनराशि से निकासी के अधीन है जिनकी निकासी पहले ही कर ली गई है, उनका मूल्य उससे ज्यादा नहीं है ;

(4) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका में विनिर्मित या उत्पादित नहीं हुआ है ।

(5) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से 31. 3. 1983 को या इससे पहले जहाज पर लाद दिया जाता है या कच्चे माल, संधटकों और उप-भोज्य सामग्री के मामले में 28. 2. 1983 को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय साख-पत्र के लिए दिए गए पक्के आदेशों के मदे 30. 6. 1983 को या इससे पहले माल का लदान कर दिया जाता है या पूंजीगत माल, फालतू पुर्जों के मामले में ये माल की गई पक्की संविदाओं और विदेशी मुद्रा में लेन-देन करने वाले व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए पंजीकरण के मदे 31. 3. 84

को या इससे पहले या बिना किसी अवधि वृद्धि के चाहे और जो कुछ भी हो, 28.2.1983 को या उससे पहले जहाज पर लाद दिया जाते हैं।

(6) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

7. यह लाइसेंस किसी भी समय व्यास्तिक उपयोक्ता (श्रौद्धोगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अवीन आता हों, उस दायित्व या किसी आवश्यकता के अनुपालन करने से कोई उन्मुक्त छूट या ठीक प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिं सं० अर्दि पी सी/3/2/82]

ORDER NO. 14/82  
OPEN GENERAL LICENCE NO. 14/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 252(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission to (a) Government Industrial Undertaking (Departmentally-run), (b) Railways, (c) State Electricity Boards/ Undertakings/Projects, in the public sector, and (b) Public Sector Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, to import Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares, from any country except the Union of South Africa/South-West-Africa, subject to the following conditions :—

1. In the case of Government Industrial Undertakings (Departmentally-run excluding, however, Defence Undertakings), and Railways import of Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL provided :—

(i) For import of items covered by Appendices 3, 4, 6, 15 and 30 of the Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I), indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi.

(ii) Where import of any electronic items including facsimile equipment for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronic equipment and parts, irrespective of value, is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi.

(iii) Items of Capital Goods imported are those covered by Appendix 2 of Import and Export Policy 1982-83 (Vol. I) and jigs, fixtures, moulds (including moulds for diecasting), parts of moulds and press tools, other than those in Appendix 1, 3 and 4 of Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I).

(iv) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance (Dept. of Economic Affairs); and

(v) Necessary evidence of (i), (ii) and (iv) above is produced to the customs authority at the time of clearance.

2. In the case of State Electricity Boards/Projects/ Undertakings, in the public sector, and the Director Generals "Doordarshan" and All India Radio, New Delhi, import of spares only will be allowed under OGL, provided :—

(i) Import is made against foreign exchange released by the Government for the purpose ;

(ii) In respect of non-permissible spares i.e. those covered by Appendices 3, 4, 15 or 30 of the Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I), indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi;

(iii) Where import of any electronic items for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi; and

(iv) Necessary evidence of (i), (ii) and (iii) above is produced to the customs authority at the time of clearance.

3. In the case of public sector Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, the following provisions will apply :—

(i) Import of raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL vide items Nos. 1, 3 and 4 of Appendix 10 of the Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I), subject to the conditions laid down therein;

(ii) R&D units will be eligible to import raw materials and other items vide item No. 5 in App. 10 of the Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I), subject to the conditions laid down therein;

(iii) Import of Capital Goods will be allowed only if they appear in Appendix 2 of Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I) and import of jigs and fixtures etc. will be allowed vide item No. 6 in App. 10 of the said Policy.

(iv) Imports of computer spares will be allowed vide item No. 8 in App. 10 of Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I).

(v) Import of items which can be imported by "Actual Users" and/or "All persons" under OGL, vide App. 10 of Import and Export Policy, 1982-83 (Vol. I), where such goods are required as raw materials, components or consumables by the importing industrial units.

(vi) The total value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the year 1982-83; and, at the time of clearance through customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned in 1982-83.

4. The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South-West Africa.

5. Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1983, or in the case of raw materials, components and consumables, the goods are shipped on or before 30-6-1983 against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened on or before 28-2-1983, or, in the case of Capital Goods, spares, these are shipped on or before 30-6-1984 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) or before 28-2-1983, without any grace period, whatsoever.

6. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

7. The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers, should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

प्रावेश सं० 15/82  
 खुला सामाचृत लाइसेंस सं० : 15/82  
 नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का०आ० 253 (प्र) :- आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद द्वारा इस आदेश से संलग्न अनुसूची में विशिष्टिकृत विवरण के माल का दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से भारत आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :-

- कम सं० 1 में शामिल “अध्यापन सहाय” के मामले को छोड़कर इस आदेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मर्दों किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टाक करने और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती हैं ;
- “अध्यापन सहाय” के मामले में आयात की अनुमति केवल मान्यता प्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों ; इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों, अनुसंधान और विज्ञान कार्यों में लगी हुई शैक्षिक यूनिटों, पंजीकृत चिकित्सकों, प्रस्तावालों, परामर्शदाताओं, मान्यता प्राप्त वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबंध संघों और व्यावसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए दी जाएगी ।
- शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों के आयात के मामले में निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :-  
  - (क) शिक्षा व समाज कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली से पहले ही लिखित रूप में निकासी की अनुमति लिए बिना एक लाइसेंस अधिधिक के द्वारा एक ही शीर्षक को 1,000 प्रतियों से अधिक के आयात की अनुमति एक ही आयातक (उसकी शावाओं सहित) को नहीं दी जाएगी । लेकिन, यह प्रतिबंध अंग्रेजी भाषा पुस्तक सोसायटी शीर्षकों और संयुक्त भारत-रूस पाठ्य पुस्तक कार्यक्रम के ग्रन्तीकार की पुस्तकों के लिए लागू नहीं होगा ।
  - (ख) विदेशी संस्करण की उन पुस्तकों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी जिनके भारतीय पुनः मुद्रण के संस्करण उपलब्ध हैं :
  - (ग) भारतीय सगुद्र-तट के केवल ऐसे नी-परिवहन संबंधी चाटों के आयात की अनुमति दी जाएगी जिनकी संख्या हाइड्रो-प्राफर,

भारत सरकार, देहरादून द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो ;

(घ) अश्लील सामग्री वाली या यौन विद्यरण करने वाली या हिंसा भड़काने वाली पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार पत्रिकाओं के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

(इ) 1978 या इसके बाद में प्रकाशित पुस्तकों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

(ज) विवेण में प्रकाशित पुस्तकों के अप्राधिकृत पुनः प्रकाशनों के प्रायात की अनुमति नहीं दी जाएगी । सीमाशुल्क के माध्यम से, निकासी के समय, आयातक यह दर्शाते हुए एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि आधिकारित पुस्तकों में वे पुस्तकें शामिल नहीं हैं, जो आयात-निर्यात नीति, 1982-83 में अनुमेय नहीं हैं ।

4. शैक्षिक मर्दों के मामले में, जहां कहीं आवश्यक हो, शैक्षिक एवं शृगार प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन वैध लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए ।

5. खजूरों, होम्यो-पैथिक शैक्षिक यूनिटों, जीवन रक्षक यैवजों और अपरिकृत यैवजों के मामले में, परम्परागत छोटे पैकिंग में भी आयात अनुमेय होगा ।

6. अनुसूची की मद सं० 14 और 15 पर उल्लिखित मसालों, और खजूरों के मामले में आयात मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (अनुश्रवण एवं सहायता सेवा) उद्योग भवन, नई दिल्ली को निम्नलिखित प्रपत्र में एक लैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा :-

- आयातक का नाम और पता
- आयात की गई पाय वस्तु का विवरण
- सीमाशुल्क से निकासी की तिथि
- आयातित मात्रा
- आयात किए गए माल परेषण का कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य
- यूनिट कीमत (रुपयों में)

प्रत्येक तिमाही की रिपोर्ट संबंध तिमाही के अगले महीने की 15 तारीख तक मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को पहुंच जानी चाहिए

- इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित या विनिर्मित न हो ।
- ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1983 को या इससे पहले पोत पर लादा गया हो ।

9. यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण आदेश 1955 की अनुसूची-5 में शर्त सं०-१ के भी अधीन होगा ।

10. यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई निषेध या विनियम होगे तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा ।

[मिं सं० आई पी सी/३/२/८२]

बुना सामान्य लाइसेंस सं० १५/८२

के लिए अनुसूची ५ अप्रैल, १९८२

1. निम्नलिखित अध्यापन सहायः

(i) शैक्षिक प्रकृति की माइको-फिल्म और माइकोफिल्म

(ii) शैक्षिक प्रकृति के प्री-रिकार्डिंग बोलियो और अडियो कैसेट्स, फिल्मस्ट्रिप्स सहित या रहित

2. (i) एल्युमीनियम स्क्रैप/ड्रोज  
(ii) ब्रास स्क्रैप/ऐण/ड्रोज  
(iii) कापर स्क्रैप/कापर मिल स्केल  
(iv) टिन ड्रोज/ऐण/रेजिड्यू/टिन एलाय रेजिड्यूम  
(v) जिंक स्क्रैप/जिंक एलाय स्क्रैप/ऐण/ड्रोज/जिंक डस्ट/ग्रैन्युलेशन्स  
(vi) निकल सिल्वर स्क्रैप (जर्मन सिल्वर स्क्रैप)

3. बेल टाइपराइटर सहित अन्य अधिकारियों के लिए अपेक्षित और आयात और उपकरण

4. शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकें और पत्रिकाएं, समाचार पत्रिकाएं और समाचार-पत्र

5. चमड़ा कमाने के लिए बैटल छाल

6. बैटल एक्सट्रैक्ट

7. अम्ल मार्जित चमड़ा, खाल, पेटट, स्पिलट और उनके भाग

8. चमड़ा और खाल, कठबी या लबणित, जिस मामले में चमड़े और खाल का मूल्य उन पर ऊन/बालों से अधिक हो

9. नैवेंर-रावो सरत, चेस्ट-नट सरत और परिणोधित यूकेलिप्टिस सरत (मार्टिन)

10. आयात और नियर्ति नीति 1982-83 (जिल्द-I) के परिशिष्ट-10 की सूची-२ में आने वाले जीवनदायक उपस्कर उनके फालसु पुर्जे

11. परिवार कल्याण उपस्कर यंत्र उपकरण अर्थात् निम्नलिखित :—

(i) (क) लेपरेस्सकोपः  
(ख) कल्ड-स्कोपः  
(ग) हाइस्ट्रो-स्कोपः  
(घ) वैक्यूम संक्षण एपरेट्सः  
(इ) उनके उप-साधित और फालसु पुर्जे भी, और

(ii) रबड़ कंट्रो-सेप्टिव (केवल डाय-फाग्नस) ;  
(iii) इन्टरो-टेरिन कंट्रो-सेप्टिव यंत्र (लिप्पोस तूप और सीयू-टी 200 से भिन्न) रंगोन कंडोम्स, डायाफराम, जेली और फोम टिकिया, भारत के अधिक नियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित

12. आयात-नियर्ति नीति, 1982-83 (जिल्द-I) के परिशिष्ट-10 की सूची-३ में आने वाले परिष्कृत भेषज प्री-प्रेशन, जीवन-दायक और कैंसर-रोधी भेषज ;

13. परिष्कृत रूप में होम्योपैथिक अधिकारियां या मूल रूप में और या किसी भी पोटनसी के होम्योपैथिक भेषज (सिगल) "दुध चीनी" सहित थोक में और बोयो-केमिक अधिकारियां ।

14. आयात-नियर्ति नीति 1982-83 (जिल्द-J) के परिशिष्ट-10 की सूची-४ के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी शैषधियां बनाने के लिए अपेक्षित अपरिष्कृत भेषज (जेड-मोतियों और मोगों के आयात की अनुमति केवल चूर्ण रूप में और केवल गैर-आभूषण किस्म के लिए दी जाएगी ।

15. दाल

16. निम्नलिखित मसाले :—

(i) दाल-चीनी/तेजपाल  
(ii) जायफल/जाकिती  
(iii) लौग

17. खजूर (गीले या सूखे) (भारतीय पोत आधानों द्वारा आयातित)

18. सेंधा नमक

19. (1) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्में (चिकित्सा)

(i) साइन एन्जियोग्राफिक फिल्में  
(ii) कार्पिंग फिल्में (एक्स-रे रेडियोग्राफ़ कार्पिंग के लिए)  
(iii) दन्तय एक्स-रे फिल्म  
(iv) बिना स्क्रीन के उपयोग की जाने वाली फिल्में  
(v) लो-डोज मेमो-ग्राफिक फिल्में

- (vi) मास मिनेएचर फिल्म
- (vii) डूप्लोकेटिंग फिल्मों के लिए 35 मि० मि० नेगेटिव और रिवर्सल किस्म की फिल्में
- (viii) परसोनल अनुश्रवण फिल्में
- (ix) चेन्जर्स के उपयोग के लिए विशेष किल्म की एक्स-रे फिल्में
- (2) एरो-ग्राफिक फिल्में
- (3) फोटो-टाइप सैटिंग आर सी/स्टेबिलाइजेशन पेपर
- (4) मुद्रण उद्योग के लिए थर्मो-ग्राफिक पोलिमिड रेजिंग और एम्बोसिंग पाउडर
- (5) माइक्रो-फाइल फिल्में
- (6) इनफा-रैड और अल्ट्रा-वायलेट फिल्में
- (7) गुर्दे शाल्य चिकित्सा फिल्में

20. हाथ-घड़ी/दीवार घड़ी और टाइम-पोस के लिए स्लेहक तेल

- 21. बदूल का गोद
- 22. विस्कोस फिल्मेंट यार्न, 600 डेनियर तक
- 23. कपरे-मोनिथम फिल्मेंट यार्न
- 24. अणीक्षणिक और उपदेश संबंधी छोटी फिल्में, यदि वे फिल्में सेसर बोर्ड द्वारा 'प्रधानतः कथात्मक प्रैक्शिक' सत्यापिक की गई हो।
- 25. फोटो-ग्राफिक फिल्में (रंगीन)
- 26. फोटो-ग्राफिक कलर पेपर
- 27. 120 साइज रोल्स से भिन्न फोटोग्राफिक फिल्में (सादा)
- 28. भाषा सीखने के लिए रिकार्ड
- 29. रुद्राक्ष मनके
- 30. निम्नलिखित सिनेमेटाग्राफिक फिल्में, अनु-मिर्दासित :

  - (1) 8 एम० एम० (रंगीन) और
  - (2) 8 एम० एम० (सादी नेगेटिव)

- 31. 1982-83 की आयात-नियात नीति (जिल्द-I) के परिणाम-10 में मूर्ची सं० 6 के अनुसार दन्तय सामग्री
- 32. सौर ऊर्जा उपस्कर
- 33. बिलियर्ड मेजों के लिए बिलियर्ड क्लाय, रबड़ कुशन, बिलियर्ड/स्नोकर बाल्स और बिलियर्ड चाक

34. आयात-नियात नीति 1982-83 (जिल्द-I) के परिणाम-3, 4, 5, 15 और 30 में दर्शाए गए से भिन्न निम्नलिखित के फालतू पुर्जे :—

- (1) मुद्रण भशीनरी
- (2) मशीनी श्रोजार, धातु, लकड़ी, कांच और प्लास्टिक की काटने, रूप देने, विसने और पालिस करने के लिए, किसी भी मानक या अनुषंगी उपस्कर सहित और
- (3) सिनेमेटोग्राफिक उपस्कर।

ORDER NO. 15/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 253(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, subject to the following conditions :—

- (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1, all other items covered by the Schedule Annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale purposes;
- (2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in research and Development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised chambers of Commerce, productivity councils, management Associations and professional bodies, for their own use;
- (3) In the case of import of educational, scientific and technical books, the following conditions shall apply :—
  - (a) Import will not be permitted by any one importer (including his branches) of more than 1000 copies of a single title during the licensing period without the prior written clearance of the Ministry of Education and Social Welfare, New Delhi. This restriction will not, however, apply to the English language Books, Society titles and books under the Joint Indo-Soviet Text Book Programme;
  - (b) Import of foreign edition of books for which editions of Indian reprints are available will not be allowed;
  - (c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun;
  - (d) Books, magazines and journals, containing pornographic materials or depicting sex, violence etc. will not be allowed to be imported.
  - (e) Import of books, published in 1978 or after will not be allowed.
  - (f) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed. At the time of clearance through customs, the importer shall furnish declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed as Import-Export Policy, 1982-83.
- (4) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drugs and

Cosmetics Act, 1940, wherever necessary, should be complied with;

(5) In the case of dates, homoeopathic medicines, anti-cancer drugs, life-saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing;

(6) In the case of spices, and dates referred to at item Nos. 14 and 15 of the Schedule, the importer shall furnish to the Chief Controller of Imports and Exports (Monitoring and Assistance Cell), Udyog Bhavan, New Delhi, quarterly reports of imports in the following proforma :—

1. Name and Address of the importer.
2. Description of the commodity imported.
3. Date of clearance through customs.
4. Quantity imported.
5. Total c.i.f. value of the consignments imported.
6. Unit price (in rupees).

The report in respect of each quarter should reach the Chief Controller of Imports and Exports by the 15th day of the month following the concerned quarter.

(7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa|South West Africa.

(8) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983, without any grace period, whatsoever.

(9) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(10) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when goods are imported.

[File No. IPC/3/2/82]

#### SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/82

DATED : THE 5TH APRIL, 1982

1. Teaching Aids, the following :
  - (i) Microfilms and Microfiches of educational nature;
  - (ii) Pre-recorded video and audio cassettes of educational nature, with or without film strips.
2. (i) Aluminium scrap|Dross
  - (ii) Brass scrap|Ash|Dross
  - (iii) Copper scrap|copper mill scale
  - (iv) Tin dross|Ash|Residues|Tin alloy Residues
  - (v) Zinc scrap|Zinc alloy scrap|Ash|Dross|zinc dust|granulations
  - (vi) Nickel silver scrap (German silver scrap)
3. Instruments and equipment required by blind, including Braille typewriters.
4. Educational scientific and technical books and journals news-magazines and newspapers.
5. Wattle Bark for tanning leather.
6. Wattle Extract.
7. Pickled hides, skins, pelts, splits and parts thereof.
8. Hides and skins, raw or salted where the value of hides and skins is more than that of wool hair thereon.
9. Quabracchio extract, chestnut and modified eucalyptus extract (Myrtan).

10. Life Saving Equipment appearing in list No. 2 of (Vol. I) Appendix 10 of Import and Export Policy, 1982-83 and their spares.

11. Family Welfare equipment|instruments, appliances, namely the following :—

- (i) (a) Laprescope ;
- (b) Culdscope ;
- (c) Hysteroscope ;
- (d) Vacuum Suction Apparatus ;
- (e) as well as their accessories and spares ; and

(ii) Rubber contraceptives (diaphragms only).

(iii) Intrauterine Contraceptive Devices (other than the Lippos' Loop and Cu-T200) coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by Drugs Controller of India, New Delhi.

12. Finished drug preparations, life saving and anti-cancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 10 of the Import and Export Policy for 1982-83 (Vol. I).

13. Homoeopathic medicines in finished form or Homoeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including 'Sugar of Milk' in bulk and biochemical medicines.

14. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 in Appendix 10 of Import and Export Policy for 1982-83 (Vol. I) (Import of jade, pearls, and corals will be allowed only in powder form and of non jewellery quality only).

15. Pulses.

16. Spices, the following :—

- (i) Cinnamon|Cassia,
- (ii) Nutmeg|mace,
- (iii) Clove.

17. Dates (wet or dry) (imported by Indian Sailing Vessels).

18. Rock Salt.

19. (i) X-ray films (medical), the following :

- (1) Cine angiographic films.
- (2) Copying films (for copying X-ray radiograph).
- (3) Dental X-ray films.
- (4) Films for use without screens.
- (5) Lo-dose mammographic films.
- (6) Mass miniature film.
- (7) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
- (8) Personal monitoring films.
- (9) Special types of X-ray films used for changers.
- (ii) Aerographic films.
- (iii) Photo type setting RC|Stabilisation paper.
- (iv) Thermo graphic polymid raising and embossing powder for printing industry.
- (v) Microfile films.
- (vi) Infra-red and ultra-violet films.
- (vii) Kidney Surgery films.

20. Lubricating oils for watches, clocks, time pieces and house service meters.

21. Gum Arabic.

22. Viscose filament yarn upto 600 deniers.

23. Cuprammonium filament yarn.

24. Non-fictional educational and instructional short films, certified by the Board of Film Censors to be "predominantly educational."

25. Photographic films (colour).
26. Photographic colour papers.
27. Photographic films (black & white) other than 120 size rolls.
28. Records for learning languages.
29. Rudraksha beads.
30. Cinematographic films, not exposed, the following :—
  - (i) 8mm (colour) and
  - (ii) 8mm (black and white negative).
31. Dental items as per List No. 6 in Appendix 10 of Import and Export Policy for 1982-83 (Vol. I).
32. Solar Energy equipment.
33. Billiard Cloth, rubber cushions for billiard tables, billiard-nookar balls and billiard chalks.
34. Spares, except those included in the Appendices 3, 4, 5, 15 and 30 of Import and Export Policy 1982-83 (Vol. I). of :—
  - (1) Printing machinery.
  - (2) Machine tools, for cutting, forming, abrading & polishing metals, wood, glass and plastics including any standard or ancillary equipment, and
  - (3) Cinematographic equipment.

आदेश संख्या 16/82

बुला सामान्य लाइसेंस सं. 16/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

प्राप्ति 234(अ) — आयात-नियति (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एकद्वारा (क) कृषि विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित पाल्टी फार्मी/अण्डज शालाओं को पाल्टी बैक्सीन (सभी प्रकार के), और (ख) प्रयुक्त स्क्रीप रबड़ टायर ट्यूब (ग) नाइलन रही, (घ) कागज की रही (ड) चाय के थेलों हीट सील/नान-हीट शील टाइप के लिए फिल्टर कागज (च) रबड़ के कम्बल (छ) ग्लास स्क्रीन और कट्टैट स्क्रीन (ग्रे और गेनेटा/कालर फिल्टर), (ज) लिथोग्राफिक कोटिड प्लेट्स (क्ष) इलाक्स के विनिर्माण में प्रयुक्त तांबा/एल्युमिनियम/माइक्रो मेटल शीट्स (ज्ञ) गुण नियंत्रण फिल्मस/स्ट्रिप्स और टार्गेट्स और (ट) परफरेटिंग, स्लिटिंग, कीर्जिंग के लिए लिथो रुल आदि को इन मदों की आवश्यकता बाले किसी भी औद्योगिक एकक को दक्षिणी अफ्रीकासंघ/दक्षिणी परिचमी अफ्रीका को छोड़कर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

1. पाल्टी बैक्सीन के आयात के मामले में :—
  - (1) सीमा शुल्क से भाल की निकासी के समय आयातक कृषि विभाग, नई दिल्ली से या सम्बद्ध राज्य के पशुपालन/पशु चिकित्सा सेवाओं के निवेशक से सम्बद्ध पार्टी के लिए सामग्री (विवरण

मात्रा/मूल्य) की अनिवार्यता के संबंध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा,

- (2) आयातित भाल सम्बद्ध पाल्टी फार्मी/अण्डज शालाओं के पास “वास्तविक उपयोक्ता” की शर्त के अधीन होगा।

2. उपयोग किए गए/कतरन रबड़ टायरों के मामले में आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब कि नियति करने वाले देश से पोतलदान होने से पहले या सीमा शुल्क प्राधिकारी से निकासी करने से पहले ऐसा प्रत्येक टायर कम से कम एक कट से प्रभावित हों। इस मद के लिए रबड़ सुधार में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) ही पात्र आयातक होंगे।

3. नाइलन रही के मामले में केवल वे वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) ही पात्र आयातक होंगे जो क्रेपेलिक्टम की प्रति-प्राप्ति में लगे हुए हों और सीमा शुल्क प्राधिकारी से भाल की निकासी के समय इस सम्बन्ध में महानिदेशालय, तकनीकी विकास से एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाएगा।

4. कागज की रही के मामले में केवल वे वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) पात्र आयातक होंगे जो लुगदी, कागज और गत्ते के विनिर्माण में लगे हुए हों।

5. फिल्टर कागज के मामले में, चाय के थैलों के विनिर्माण में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) ही पात्र आयातक होंगे।

6. इस लाइसेंस में (च) से (ट) तक उल्लिखित रबड़ के कम्बल और अन्य मदों के मामले में भुद्रण कार्य में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) ही पात्र आयातक होंगे।

7. भाल की निकासी के समय सम्बद्ध प्राधिकारी के साथ एक ओद्योगिक संस्थान के रूप में सम्बन्धित प्राधिकारी के पास अपने साइरेंस/पंजीकरण अधिति लाइसेंस पंजीकरण प्रमाणपत्र की संख्या और दिनांक और विनिर्मित उत्पाद (उत्पादों) का ब्यौरा देते हुए आयातक ओद्योगिक एकक एक बोषणापत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा कि सेवा लाइसेंस/पंजीकरण न हो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रभावी किया गया है। जिन मामलों में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग पंजीकरण संख्या आवंटित न की गई हो उनमें आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए यह अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि वह ओद्योगिक एकक के रूप में अनुशास्त्र/पंजीकृत है।

8. प्रायोजक प्राधिकारी के साथ अन्तिम पंजीकरण रखने वाला वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) भी इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए पात्र होगा।

9. आयात के इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किए गए भाल के उपयोग और उपयोग का लेखा निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से रखेगा और लेखे को ऐसे समय

के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी को या अन्य सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इन प्राधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

10. इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात की गई मदों के विवरण और मूल्य को निर्दिष्ट करते हुए आयातक आवधिक विवरण पत्र प्रायोजक प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा यह विवरण पत्र 30.9.82 और 31.3.83 की स्थिति के अनुसार भेजे जाएंगे। ऐसा प्रत्येक विवरण पत्र निर्दिष्ट प्रबंध की समाप्ति से 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

11. इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हों।

12. ऐसा माल किसी भी रियायती प्रबंधि, जो वह जो कुछ भी हो, के बिना 31 मार्च, 1983 को या इससे पहले परेषण के भाग्यम से भारत के लिए लादा गया हो।

13. वह लाइसेंस आयात नियंत्रण आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त संख्या-1 के भी अधीन होगा।

14. किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

15. अन्य कानून या विनियमों के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ता को जो अनिवार्यता या अनुपालन पूर्ण करते हैं यह लाइसेंस उनसे कोई उन्मुक्ति, छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उपबन्धों का पालन करना चाहिए जो उन पर लागू है।

[मिसिल संख्या आईपीसी 3/2/82]

ORDER NO. 16/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 254(E).—**In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of (a) poultry vaccines (all types) by poultry farms/ hatcheries approved by the Department of Agriculture, Government of India, New Delhi; (b) Used/scrap rubber tyres/tubes (c) Nylon waste (d) paper waste (e) Filter paper for tea bags, heat seal/non-heat seal type (f) Rubber blankets (g) Glass, screens and contact screens (grey and magenta/ colour filters), (h) Lithographic coated plates (i) copper/ aluminium/micro metal sheets used in the manufacture of blocks, (j) Quality control films strips and targets and (k) Litho rules for perforating, slitting, creasing etc., by industrial units requiring these items, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :—

(1) In the case of import of poultry vaccines :—

(i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the customs, furnish a certificate from the Department of Agriculture, New Delhi or the

27 GI/82—5.

concerned State Director of Animal Husbandry/ Veterinary Services, regarding the essentiality of the material (description/quality/value) to the party concerned;

(ii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm/hatchery concerned.

- (2) In the case of used/scrap rubber tyres tubes, import will be allowed only if each such tyre/tube has been subjected to at least one cut before shipment from the exporting country or before clearance from the customs. The eligible importers for this item will be only Actual Users (Industrial) engaged in reclaiming rubber.
- (3) In the case of nylon waste, the eligible importers will be only Actual Users (Industrial) engaged in the recovery of caprolactum and a certificate from the Directorate General of Technical Development, New Delhi shall be produced to this effect at the time of clearance through the customs.
- (4) In the case of paper waste, eligible importers will be only Actual Users (Industrial) engaged in the manufacture of pulp, paper and paper board.
- (5) In the case of filter paper, the eligible importers will be Actual Users (Industrial) engaged in manufacture of tea bags.
- (6) In the case of rubber blankets and other items mentioned at (f) to (k) in this Licence, eligible importers will be Actual Users (Industrial) engaged in printing.
- (7) At the time of clearance of goods, the importer industrial unit shall furnish to the customs authority, a declaration giving particulars of its licence/registration as an industrial undertaking with the concerned authority, namely, Number and Date of the Licence/Registration Certificate and end-product(s) manufactured and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/ registered as industrial unit.
- (8) Actual Users (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import under this licence.
- (9) The importer shall maintain proper account on consumption and utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (10) The importers shall submit to the sponsoring authority concerned, periodical returns indicating the description and the value of the items imported under this licence. These returns shall be furnished as on 30-9-1982 and 31-3-1983. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated.
- (11) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (12) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983, without any grace period, whatsoever.
- (13) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Import (Control) Order, 1955.
- (14) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(15) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. 1 PC/3/2/82]

प्रादेश संख्या-17/82  
खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 17/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का०ग्रा० 255(अ).—प्रायात-नियात (नियंत्रण) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसके द्वारा 100% नियात अभिमुख यूनिटों के रूप में अनुमोदित वास्तविक उपयोक्ताओं को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) पूंजीगत माल, (2) कच्ची सामग्री, (3) संघटकों (4) फालतु दुर्जों के आयात के लिए आगे आदेश होने तक सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) आयातक 100% नियात अभिमुख यूनिट के रूप में सरकार द्वारा अनुमोदित होना चाहिए।
- (2) आयात वास्तविक उपयोक्ता शर्त के अधीन होगा।
- (3) माल का आयात कस्टम्स बान्डिंग कारखाने में किया जाएगा।
- (4) पूर्ण उत्पादन और प्रचालन कस्टम्स बान्डिंग कारखाने में किया जाएगा।
- (5) कस्टम्स बांडिंग के लिए लागू किया विधि का अनुसरण किया जाएगा जिसमें आयात के परतन में कारखाने तक माल ले जाने के उद्देश्य के लिए यात्रा बांड शामिल होगा।
- (6) 5% या जो प्रतिशत 100% नियात अभिमुख यूनिट स्थापित करने के लिए अनुमोदन देने के लिए सरकार द्वारा गठित बोर्ड नियंत्रित करे उस प्रतिशत तक अपशेष को छोड़कर पूर्ण उत्पादन का नियात किया जाएगा।
- (7) उत्पादन के लिए 20% का न्यूनतम मूल्य संकलन अनिवार्य होगा। घरेलू रूप से अधिप्राप्त कच्चा माल न्यूनतम मूल्य संकलन की गणना के लिए आयात के रूप में समझा जाएगा।
- (8) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में सम्बद्ध औद्योगिक एकक वर्ष के दौरान आयातित मर्दों और उनके साथ-बीमा-भाड़ा मूल्य का और नियंत्रित उत्पाद और उनके जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का हिसाब सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को देगा। इस हिसाब का विवरण सम्बद्ध औद्योगिक यूनिट से संलग्न सीमा शुल्क अधिकारी के माध्यम से लाइसेंस प्राधिकारी को भेजा जाएगा।

(9) यूनिट उन सभी शर्तों का पालन करेगी जिनके अधीन आयातित माल पर यूनिटों के मामले में सीमा शुल्क के भुगतान की छूट है।

(10) इस प्रावधान के अन्तर्गत यूनिट द्वारा किए गए नियंत्रित आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए पात्रता प्रदान नहीं करेगे।

[मिसिल संख्या-1/2 आर/ईपी/74 ईपीसी(वा०-९)]

ORDER NO. 17/82

OPEN GENERAL, LICENCE NO. 17/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 255(E).—In exercise of powers conferred by Section 3 of Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders, to the Actual Users approved by Government as 100 per cent export oriented units, for the import of (i) Capital Goods, (ii) raw materials, (iii) components (iv) spares, subject to the following conditions:—

- (1) The importer should be a manufacturer approved by Government as 100 per cent export oriented unit.
- (2) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (3) The goods shall be imported in customs bonded factory.
- (4) The entire production and operations shall be under customs bonded factory.
- (5) The procedure applicable for customs bonding shall be followed, including transit bond for the purpose of goods being taken from the port of importation to the factory.
- (6) The entire production shall be exported, except rejects upto 5 per cent or such percentage as may be fixed by the Board set up by Government for according approval for setting up 100 per cent export oriented units.
- (7) A minimum value added of 20 per cent shall be necessary for production. Domestically procured raw materials shall be treated as imports for computation of minimum value added.
- (8) At the end of each financial year, industrial unit concerned shall give an account of the items and their c.i.f. value imported and the products and their f.o.b. value exported during the year, to the licensing authority concerned. These returns shall be sent to the licensing authority through the Customs Officer attached to the industrial unit concerned.
- (9) The unit shall comply with all the conditions, subject to which payment of customs duty on the imported materials is exempted in its case.
- (10) Exports made by the unit under this provision shall not be eligible for import replenishment licences.

[File No. 1/2/REP/74-EPC (Vol. IX)]

प्रादेश सं० 18/82

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 18/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का०ग्रा० 256(अ).—आयात तथा नियात (नियंत्रण) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार नियी क्षेत्रों में स्थित वास्तविक

उपयोक्ताओं को आगामी आवेदन जारी होने तक वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अनुसार जो कि प्रत्येक मामलों में लागू होंगी, काण्डला, मुक्त व्यापार क्षेत्र और शांताकुज इलैक्ट्रोनिक्स नियंत्रित संसाधन क्षेत्रों में (1) मरीनरी, (2) कच्चे माल (3) संघटकों (4) फालतू पुज़ों (5) उपभोज्य वस्तुओं (6) पैकिंग माल (7) श्रीजार, जिप्स फिक्सचर्स और गेजिंग के आवात के लिए सामान्य अनुमति देती है।

2. संबंधित क्षेत्र के विकास आयुक्त की सिफारिश पर ऐसा वास्तविक उपयोक्ता अपने उत्पादन, उत्पाद के विविधकरण और विकास के लिए (1) प्रोटोटाइप्स, (2) तकनीकों और व्यापार नमूने प्रत्येक नमूने की संख्या तक (3) ड्राइंग, ब्लूप्रिंट्स, चार्ट्स, तकनीकी आंकड़े माइक्रो फिल्म सहित, (4) कार्यालय उपस्कर और उनके फालतू पुज़ों तथा उपभोज्य सामग्री भी आवात कर सकते हैं।

3. ऐसे वास्तविक उपयोक्ता (1) जोन में उनके द्वारा मरम्मत / पुनः सुधार करने और तत्पश्चात् पुनः नियंत्रित करने के लिए प्राप्त किए गए माल का या (2) वास्तविक उपयोक्ता द्वारा विदेशी संभरकों को माल भेजते की तारीख से तोन वर्ष की अवधि के दौरान वापस किए गए माल का आवात भी कर सकते हैं (विदेशी मुद्रा विनियम के अन्तर्गत संबंधित कार्रवाई पूर्ण करने के पश्चात्)।

4. आयातक निर्धारित फार्म में आवात, उपभोग और सभी आयातित सामग्री के उपयोग और उनके द्वारा किए गए नियंत्रित का पूर्ण व्यौरा रखेगा और यथा अपेक्षित विकास आयुक्त और संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी को समय-समय पर उन्हें भेजेगा। आयातक सरकार द्वारा उसके मामले में निर्धारित न्यूनतम सूच्य संकलन शर्त के अनुकूल आवात करेगा।

5. यह अनुमति किसी भी अन्य निषेध के अन्तर्गत आवात वाले सामान या आवात को प्रभावित करने वाले विनियम, जो उस समय लागू होंगे जब ऐसे माल का आवात किया जाता है तो उनके लिए लागू करने के विचार पर ध्यान दिए विना ही होगी।

6. यह लाइसेंस आवेदन सं. 18/81 दिनांक 3 अप्रैल, 1981 के प्रतिक्रिया में है।

[मिसिल सं. 1/2/16/भारत ई पी/74-ई पी सी (बा० ९)]

ORDER NO. 18/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 256(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders to the Actual Users located in the respective Zones for the import of (1) Capital Goods, (2) raw materials, (3) components, (4) spares, (5) consumables, (6) packing materials as well as (7) tools, jigs, fixtures and gauges, into (i) the Kandla Free Trade Zone, and (ii) the Santacruz Electronics Export Processing Zone, subject to the Actual User condition as applicable thereto in each case.

2. On the recommendation of the Development Commissioner of the concerned Zone, such Actual Users may also import for the purpose of their own production, product diversification and development (i) prototypes, (ii) technical and trade samples not exceeding two in number of each type of samples and (iii) drawings, blue prints, charts, technical data including micro-films as well as (iv) office equipment, spares and consumables thereof.

3. Such Actual Users may also import goods received (i) for repairs/reconditioning by them in the Zone and to be re-exported thereafter or (ii) back from the consignees overseas within a period of three years from the date of their despatch to him by the Actual User (after following the connected formalities under the Foreign Exchange Regulations Act).

4. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically as required to the Development Commissioner of the Zone and to the licensing authority concerned. The importer shall conform to the minimum value added condition stipulated by Government in his case.

5. This licence is without prejudice to the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported.

6. This licence is in supersession of Order No. 18/81, dated the 3rd April, 1981.

[File No. 1/2/XVI/REP/74-EPC (Vol. IX)]

आवेदन सं. 19/82

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-19/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

कांस्ट्रा० 257(भ).—आवात तथा नियंत्रि (नियंत्रण)

अधिनियम, 1947(1947 का 18) के खण्ड 3 हारा प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन विक्रिया/विक्रिय पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से पूर्जीगत माल का भारत में आवात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

(1) पाव आयातक निम्नलिखित होंगे:—

- (1) सर्वश्री कोल इंडिया लि०
- (2) सर्वश्री नवेली लिगनाइट कार्पोरेशन लि०
- (3) सर्वश्री भारत कोकिंग कोल लि०
- (4) सर्वश्री सेंट्रल कोल फील्ड्स लि०
- (5) सर्वश्री ईस्टर्न कोल फील्ड्स लि०
- (6) सर्वश्री वेस्टर्न कोल फील्ड्स लि०
- (7) सर्वश्री सेंट्रल माइन प्लानिंग डिजाइन इस्टीट्यूट लि०
- (8) सर्वश्री सिंगरेणी कोलरीज कम्पनी लि०

(2) आवात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा दिया की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया जाएगा।

(3) आयात-नियति, 1982-83 (जिल्हा 1) के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित पूर्जीगत के आयात की अनुमति नहीं हो जाएगी। पूर्जीगत माल की अन्य भारतीय कंपनियों के संबंध में, आयात महानिवेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त की जाने वाली देशी दृष्टिकोण से निकासी के अधीन होगा।

(4) आयात 'वास्तविक उपयोक्ता' भारत के अधीन होगा।

(5) यह लाइसेंस आयात (नियन्त्रण) आवेदन, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त 1 के भी अधीन होगा।

(6) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/क्षक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्भात न किया गया हो।

(7) भारत को ऐसे माल का लदान किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1983 को या इससे पूर्व, या 28.2.83 को या ससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31 मार्च, 1984 को या इससे पूर्व भारत को कर दिया गया हो।

(8) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई नियंत्रण या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उसपर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोक्ता (श्रौद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके विवित या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिसिल संख्या आई पी सी-3/2/82]

ORDER NO. 19/82  
OPEN GENERAL LICENCE NO. 19/82  
New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 257(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports Control Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, subject to the following conditions :—

(1) The eligible importers will be :—

- (i) M/s. Coal India Ltd.
- (ii) M/s. Neyveli Lignite Corporation Ltd.
- (iii) M/s. Bharat Coking Coal Ltd.
- (iv) M/s. Central Coalfields Ltd.
- (v) M/s. Eastern Coalfields Ltd.
- (vi) M/s. Western Coalfields Ltd.

- (vii) M/s. Central Mine Planning and Design Institute Ltd.
- (viii) M/s. Singareni Collieries Company Ltd.
- (2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose.
- (3) Capital Goods mentioned in Appendix I of Import and Export Policy, 1982-83 (Volume I) will not be allowed to be imported. In respect of other items of Capital Goods, import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi.
- (4) The import shall be subject to Actual User condition.
- (5) The Licence shall also be subject to the condition No. (1) in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1983 or on or before 31st March, 1984 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (bank) on or before 28-2-1983 without any grace period whatsoever.
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (9) The licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/82]

आवेदन सं. 20/82  
पुला सामाजिक लाइसेंस सं. 20/82  
नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का.आ. 258(अ).—आयात तथा नियति (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़ कर किसी भी देश से विकलांग व्यक्तियों द्वारा मोटर कार का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयात की जाने वाली मोटर कार विशेष रूप से सम्बद्ध पात्र विकलांग व्यक्तियों के लिए डिजाइन की हुई या बनाई हुई हो ;
- (2) पात्र आयातक वह विकलांग व्यक्ति होगा जिसे आयात की जाने वाली कार पर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई शिल्पीदारा सीमा शुल्क कर से छूट दी गई हो। आयातक उसके प्रयोग में निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक साक्षर प्रस्तुत करेगा।

(3) आयात की जाने वाली मोटर कार में उसी अमता, अग्रणी शक्ति, बैठने के स्थान और अन्य विशेषिट-करण वाले होने चाहिए जिसके लिए वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई विल्ली ने सम्बद्ध आयातक को कम सीमा शुल्क कर लगाकर छूट प्रदान की हो।

(4) आयातित मोटर वाहन, "वास्तविक उपयोक्ता" शर्त के अधीन सम्बद्ध विकलांग व्यक्ति के व्यक्तिगत उपयोग के लिए होगा और इसे किसी भी समय बेचा नहीं जाएगा या हस्तांतरित नहीं किया जाएगा या अन्यथा रूप से निपटाया नहीं जाएगा या किसी व्यक्ति के पास गिरवी/रेहन नहीं रखा जाएगा और किसी भी समय विषयाधीन मोटर कार के स्वामित्व को दूसरे को नहीं सौंपा जाएगा।

(5) आयातित मोटर कार दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण परिचम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनियमित नहीं की गई हो।

(6) आयातित मोटर कार भारत में किसी भी रियायती अधिकारी के बिना 31 मार्च, 1983 को या इससे पूर्व परेपण के जरिए लाद दी गई हो।

(7) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोक्ता (श्रीरोगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या हील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

[मि० मं० आई प० सी 3/2/82]

ORDER NO. 20/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 20/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 258(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, motor cars by disabled persons, subject to the following conditions :—

- (1) The motor car to be imported shall be that specially designed or adopted for use by the disabled eligible person concerned ;
- (2) The eligible importer shall be the disabled person who is granted customs duty relief by the Department of Revenue, Ministry of Finance, Government of India, New Delhi, on the same car that is being imported. The importer shall produce evidence in support of this to the customs authority at the time of clearance.
- (3) The motor car to be imported should have the same engine capacity, horse power, seating capacity and other specifications, for which the Department of

Revenue, Ministry of Finance, New Delhi have granted relief by way of lower customs duty to the concerned importer.

- (4) The imported motor vehicle shall be for personal use of the concerned disabled person, subject to "Actual User" condition, and it shall not at any time be sold or transferred or otherwise disposed of or pledged/hypothecated with any person and the importer shall not also part with possession of the motor car, in question, at any time.
- (5) The imported car has not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (6) The imported car is shipped through consignment to India on or before 31st March, 1983, without any grace period whatsoever.
- (7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force at the time when such goods are permitted.

[File No. IPC/3/2/82]

आदेश लंब्धा-21/82

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 21/82

नई विल्ली, 5 अप्रैल, 1982

का० आ० 259(अ).—आयात-नियर्यात (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा इलेक्ट्रोनिकी उद्योग में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ताओं (श्रीरोगिक) वार्ष पूंजीय माल, कड़वी सामग्री, संचारकर्ता, उपभोज्यों और फालतू पूँजी का विशीर्ण अफ्रीका/दक्षिणी परिचयी अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की निम्नलिखित शर्तों के प्रतीक्षा सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) पाव आयातक भारतीय अनिवासी होगा (जिसमें वह अनिवासी भारतीय शामिल है जिसने विदेशी राष्ट्रियता प्राप्त कर्त्ता हो, और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला मूलरूप से भारतीय हो);
- (2) ऐसा पाव व्यक्ति या तो भारत में इलेक्ट्रोनिकी उद्योग स्थापित करने के लिए निवास करने के लिए भारत वापिस आएगा या विद्युत्यानन्द इलेक्ट्रोनिकी उद्योग के लिए पूँजी लगाने सहित इलेक्ट्रोनिकी उद्योग में पूँजी लगाएगा। किसी भी मामले में ऐसा पाव व्यक्ति सम्बद्ध इलेक्ट्रोनिकी श्रीरोगिक यूनिट स्थापित करने वाली या मालिक कर्म या कर्मनी में इक्वीटी पूँजी के कम से कम 20 % शेयर रखेगा।
- (3) आयात की अनुमति केवल उस इलेक्ट्रोनिकी उद्योग को दी जाएगी जो निम्नलिखित में से एक या अधिक का निर्माण करता हो :—
  - (1) इलेक्ट्रोनिकी संचारक (एल० एम० आई०, बी० एल० एस० आई० से भिन्न),
  - (2) इलेक्ट्रोनिकी यंत्र,
  - (3) टेप रिकार्ड,
  - (4) टृ-इन-वन,
  - (5) ही-फ़िक उपकर,
  - (6) इलेक्ट्रोनिकी भव्यापन सहाय
  - (7) श्रीरोगिक और संसाधन नियन्त्रण सिस्टम्स,

(8) प्रमुख सब-सिस्टम, रडार्स, नी परिवहन सहाय वे संचार उपकर और

(9) इलेक्ट्रॉनिकी चिकित्सा उपकर।

(4) रडार्स, नी परिवहन सहाय और संचार उपकर का निर्माण करने वाली यूनिटों के संबंध में निर्माण कार्य आरम्भ करने से पहले इलेक्ट्रॉनिकी विभाग लोक नायक भवन, नई विनाली से विवेश पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा,

(5) इस प्राप्तधान के अन्तर्गत फ्लूटरों के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी,

(6) पाल आयातक को उपर्युक्त शत सं० (3) में उल्लिखित भवदों और उपकरों के निर्माण के लिए अपेक्षित किसी भी पूंजीगत माल के आयात की अनुमति दी जाएगी। आयात के लिए वेशी दूषिकोण से किसी प्रकार की निकासी की आवश्यकता नहीं होगी,

(7) प्रस्तुत लाइसेंस के अन्तर्गत कच्ची सामग्री संचारको, उपभोग्यों और फासलू पुरों के आयात की अनुमति भी श्रीबोगिक यूनिटों की केवल प्रथम 12 मास की आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिए दी जाएगी। आयात-नियाती नीति 1982-83 (जिल्द 1) के परिविष्ट 3, 4 और 6 में प्रदर्शित मदों के लिए इलैक्ट्रॉनिकी विभाग, नई दिल्ली से पूर्व निकासी प्राप्त करनी होगी, और ऐसी निकासी आयात के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी,

(8) आयातक माल की अरीद पाल आयातक की विवेश में कमाई गई विदेशी मुद्रा में से की जाएगी,

(9) न तो लगाई गई पूंजी और न लाभांशों को विवेश में प्रत्यावर्तित करने की अनुमति दी जाएगी,

(10) आयात वास्तविक उपयोगता पार्ट के भ्रष्टीन होगा। पूंजीगत माल बेचने के लिए 5 साल की अवधि तक कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।

(11) सम्बद्ध श्रीबोगिक यूनिट को प्रस्तुत लाइसेंस के भ्रष्टीन पूंजीगत माल के प्रथम परेवण के आयात की तिथि से 12 महीनों की अवधि के भीतर इस संबंध में लागू नीति और कियाविधियों के भ्रष्टासा महानियंशालय नई दिल्ली से धाराय के उद्दीपन नियोग वा अन्य सम्बद्ध प्राधिकारियों से श्रीबोगिक लाइसेंस या पंजीकरण प्राप्त करना होगा,

(12) पाल आयातक विदेशी मुद्रा विनियमों का भ्रष्टालन करने और लागू विनियमों के भ्रष्टीन यथा अपेक्षित विवेश में शेष विदेशी मुद्रा रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आवश्यक अनुमति प्राप्त करेंगे,

(13) भारत को ऐसे माल का लदान, परेवण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना जाहे जो कुछ भी हो 31.3.83 को या इससे पूर्व या नौके संकेतिक तिथियों को कर दिया जांगा हो,

(14) (क) उन कच्चे माल, संचारको और उपभोग्य सामग्री के मामले में 30.6.1983 को या इस से पूर्व जिन के लिए 28.2.83 को या इससे पूर्व अपरिवर्तनीय साब्द पाल खोल दिए जाते हैं।

(ब) उन पूंजीगत माल और फासलू पुरों के मामले में 31.3.1984 को या इससे पूर्व जहा 28.2.1983 को या इससे पूर्व एक पक्की संविदा कर ली गई हो

और उसे विदेशी मुद्रा का लेनदेन करने वाले बैंक के पास पंजीकृत कर दिया गया हो।

(15) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई नियंत्रण या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा,

(16) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपभासा (श्रीबोगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपात करने से कोई उम्मिक्ष, छूट या ढील प्रदान नहीं करता। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का पालन करना चाहिए।

[मिसिल संज्ञा आई वी सी 3/2/82]

ORDER NO. 21/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 21/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 259(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government thereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares by Actual Users (Industrial) in the Electronics industry, subject to the following conditions :—

(1) The eligible importer shall be a Non-resident Indian (which includes a non-resident Indian who has acquired foreign nationality, and a person of Indian origin residing abroad);

(2) Such eligible person shall either return to India for settlement, for setting up an electronic industry in India, or shall be investing in an electronics industry, including investment for the expansion, diversification or modernisation of an existing electronics industry. In either case, such eligible person shall have a minimum 20% share in the equity capital of the firm or company setting up or owing the electronic industrial unit concerned.

(3) Import shall be allowed only for electronic industry manufacturing one or more of the following :—

- (i) Electronic components (other than ISI, VLSI);
- (ii) Electronic instruments ;
- (iii) Tape recorders ;
- (iv) Two-in-ones ;
- (v) Hi Fi equipments ;
- (vi) Electronic teaching aids ;
- (vii) Industrial and process control systems ;
- (viii) Major sub-systems, radars, navigational aids and communication equipment; and
- (ix) Electronic medical equipment.

(4) In respect of units manufacturing radars, navigational aids and communication equipment, a specific prior approval of the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi shall be necessary before taking up manufacture ;

(5) Manufacture of computers shall not be allowed under this provision ;

(6) The eligible importer will be allowed to import any Capital Goods necessary for the manufacture of the items and equipments mentioned in condition No. (3) above. No clearance from indigenous angle would be required for import.

(7) Import of raw materials, components, consumables, and spares, will also be allowed under this licence, to meet only the first 12 months' requirements of the industrial unit. Items appearing in Appendices 3, 4, and 6 of import-export policy 1982-83 (Volume I) shall require prior clearance of the Department of Electronics, New Delhi, and such clearance shall be produced to the customs authority at the time of import.

(8) The imported goods shall be purchased abroad out of the foreign exchange earnings of the eligible importer abroad.

(9) Neither the capital investment nor dividends shall be allowed to be repatriated abroad.

(10) Imports shall be subject to Actual User condition. No permission for sale of Capital Goods shall be allowed for a period of five years;

(11) The industrial unit concerned will be required to obtain industrial licence or registration with the DGTB, New Delhi or State Director of Industries or other authorities concerned, in accordance with the policy and the procedures in force in this regard, within a period of 12 months from the date of import of first consignment of Capital Goods under this Licence.

(12) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force;

(13) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;

(14) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1983 or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever:

- (a) On or before 30-6-1983 in the case of raw materials, components and consumables for which irrevocable letters of credit are opened on or before 28-2-1983;
- (b) On or before 31-3-1984 in the case of Capital Goods and spares where a firm contract has been entered into and registered with a foreign exchange dealer bank on or before 28-2-1983;

(15) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted;

(16) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/82]

आदेश सं. 22/82

बुला सामान्य लाइसेंस सं. 22/82

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

कानून 260(ए)।—आयात सथा नियंत्रण (नियंत्रण)  
अधिनियम, 1947 (1947 वा 18) के खण्ड 3 द्वारा  
प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए बेंद्रीय सरकार एवं

द्वारा आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश का निर्माण करती है:—

(1) इस आदेश को आयात (नियंत्रण) प्रथम मंशोधन आदेश 1982 की संज्ञा दी जाए।

(2) आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 में

(i) धारा 5 उप-धारा (3) के द्वितीय परन्तुक को निम्नलिखित धारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अधार्त:—

“आगे यह कि इस उप-धारा की मद (i) और (ii) के अधीन ग्रान्ति (क) पंजीकृत नियोक्ताओं के लिए आयात नीति के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं को बेचने के लिए माल के आयात के लिए पात्र नियंत्रित सदनों को व्यापार सदनों को जारी किए गए लाइसेंसों और (ख) लागू आयात नीति के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं को माल बेचने के लिए केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्व वाले या नियंत्रण धीन सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों को जारी किए गए लाइसेंसों के संबंध में भी लागू नहीं होगी।

(ii) अनुसूची 3 के परन्तुक (4) के बाद निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा:—

“आवेदनपत्र में विशिष्टकृत माल के मूल्य को ध्यान में रखे बिना स्कूटर/आटा-साइकिल/मोटर साइकिल/मोपिड सहित एक बाहन के आयात के लिए आवेदन पत्र के संबंध में भुगतान की जाने वाली शुल्क की धनराशि 500 रुपए होगी।

[मिसंआई पी सी (एच बी) /सेप, 1/82-83]

ORDER NO. 22/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 22/82

New Delhi, the 5th April, 1982

S.O. 260(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Imports (Control) Order, 1955,—

(1) This Order may be called the Imports (Control) First Amendment Order, 1982.

(2) In the Imports (Control) Order, 1955,—

(i) In Clause 5, sub-clause (3), the second “Proviso” shall be substituted by the following, namely:—

“Provided further that the conditions under items (i) and (ii) of this sub-clause shall also not apply in relation to (a) licences issued to eligible export houses or trading houses for import of goods meant for disposal to actual users under the import policy for registered exporters, and (b) licences issued to public sector agencies owned or controlled by Government, Central or State, for disposal of goods to actual users under the import policy in force”.

(ii) In Schedule III, after the Proviso (4), the following proviso shall be added:—

“The amount of fees payable shall be Rs. 500 in respect of an application for import of a vehicle

including Scooter/Auto-cycle/Motor-cycles/Mopeds, irrespective of the value of goods specified in the application".

[File No. ITC(HB)/Chap. I/82-83]

आदेश संख्या 23/82

द्वारा सामान्य लाइसेंस संख्या 22/82

मई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1982

**का०आ० 261(अ):—आयात-नियंत्रित (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सीमेंट (बिलंकर सहित) का दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छाड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—**

(1) भारतीय राज्य व्यापार निगम, नई दिल्ली और राज्य सरकार भारत के संघ शासित क्षेत्र के अभिकरण ही पात्र आयातक होंगे। प्रत्येक राज्य/मंड़ शासित क्षेत्र में, केवल एक सार्वजनिक क्षेत्र के स्तर का अभिकरण ही इस प्रयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा मनोनीत किया जाएगा। मनोनीत राज्य अभिकरण सम्बद्ध राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र के प्रशासन द्वारा उनके नाम में जारी किए गए प्राधिकार पत्र के आधार पर इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात करेंगे। ऐसे प्राधिकार पत्र की आवश्यकता भारतीय राज्य व्यापार निगम, नई दिल्ली द्वारा आयात करने के मामले में नहीं होगी।

(2) आयात करने के लिए पात्र भारतीय व्यापार निगम, नई दिल्ली और प्राधिकृत सार्वजनिक क्षेत्र के राज्य अभिकरणों को इस प्रयोजन के लिए विवेशी मुद्रा प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन वे, उनके द्वारा किए गए आयात (मूल्य और मात्रा दोनों) के बारे में मूल्यना उद्योग मंत्रालय में सीमेंट नियंत्रक को भेजेंगे।

(3) आयात करने वाले पात्र अभिकरण केवल वास्तविक उपयोक्ता के नाम पर ही सीमेंट का आयात करेंगे।

(4) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या निर्मित न हो।

(5) ऐसा माल 31 मार्च, 1983 को अथवा उससे पहले किसी भी रियायती अवधि के बिना भारत को परेण के जरिए लाद दिया गया हो;

(6) यह लाइसेंस प्रायात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगा;

(7) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

मिमिल संख्या आई पी सी 3/2/82 ]

मणि नारायणस्वामी,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

ORDER NO. 23/82

OPEN GENERAL LICENCE NO. 22/82

New Delhi, the 5th April, 1982

**S.O. 261(E):—**In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, cement (including clinker), subject to the following conditions :—

(1) The eligible importers will be the State Trading Corporation of India Ltd., New Delhi and public sector agencies of the State Governments/Union Territories in India. In each State/Union Territory, only one public sector State agency will be designated for the purpose by the State Government. The designated State agencies will import under this Licence on the basis of authorisations issued in their favour by the concerned State Government/Union Territory Administration. Such authorisation will not be required in the case of imports by State Trading Corporation of India Ltd., New Delhi.

(2) The State Trading Corporation of India Ltd., New Delhi and the authorised public sector State agencies eligible to import, will not be required to obtain foreign exchange for this purpose. They shall, however, send intimation about the imports made by them (both c.i.f. value and quantity) to the Cement Controller in the Ministry of Industry, New Delhi.

(3) The eligible importing agencies will import cement on account of Actual Users only.

(4) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(5) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1983, without any grace period, whatsoever ;

(6) This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955;

(7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/82]

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of  
Imports and Exports

